पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 253

ग्वालियर, रविवार, 7 नवम्बर, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद, 2.40 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने मंदिर के दर्शन किए

देहरादून। सर्दियों के मौसम में होने वाली बर्फबारी के मद्देनजर उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट शनिवार को बंद हो गए। चारधाम देवस्थानम बोर्ड के मीडिया प्रकोष्ठ की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पुजारी बागेश लिंग ने सभी धार्मिक अनुष्ठान पूरे किए,इसके बाद सुबह करीब आठ बजे मंदिर के कपाट सर्दियों के लिये बंद कर दिए गए। मंदिर के कपाट बंद होने के बाद, बाबा केदार (भगवान शिव) की पंचमुखी मूर्ति को फूलों से सजी पालकी में ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में ले जाया गया, जहां सर्दियों के महीनों में उनकी पूजा होती है। इस वर्ष सितंबर में चार धाम यात्रा शुरू होने के बाद से लेकर अब तक 2.40 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए। इससे पहले शुक्रवार को गंगोत्री धाम के कपाट भी बंद कर दिए गए।

सीएम चन्नी के घर के बाहर धरना दे रहे सुखबीर बादल को गिरफ्तार किया

चंडीगढ़। अकाली दल द्वारा मुख्यमंत्री चन्नी के घर के आगे धरने के दौरान सुखबीर बादल को गिरफ्तार किया गया है। पेट्रोल व डीजल पर वैट को घटाने को लेकर अपनी मांगों को मनवाने के लिए चन्नी के घर के आगे सुखबीर बादल धरने पर बैठे थे।अकाली कार्यकर्ता शनिवार को सुखबीर बादल की अगुवाई में पंजाब में बढ़ रही पेट्रोल व डीजल पर वैट मुद्दे को लेकर चन्नी के घर की ओर रवाना हुए थे।अकाली नेता मजीठिया ने कहा कि पंजाब में 15 की कटौती होनी चाहिए। अकाली कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोकने के लिए बेरीकेड लगाए गए थे जो उनके द्वारा तोड़ दिए गए हैं। पेट्रोल व डीजल के बढ़े वैट को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिस व अकाली कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। अकाली कार्यकर्ता चन्नी के घर के सामने पहुंच गए थे।पुलिस मुलाजिमों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि सरकार को पैट्रोल और डीजल के दाम घटाने ही पड़ेंगे। उनका प्रदर्शन लोगों की आवाज उठाने के लिए है।

अवैध संबंधों के चलते दोस्त के साथ मिलकर चचेरे भाई की ईंट से पीट-पीटकर हत्या

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-2 क्षेत्र में अवैध संबंधों के चलते एक युवक पर दोस्त के साथ मिलकर अपने चचेरे भाई की हत्या करने का आरोप लगा है। वारदात की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई और उसके दोस्त को हिरासत में लिया है। सेंट्रल नोएडा डीसीपी हरीश चंदर ने शुक्रवार को बताया कि मूल रूप से बदायूं निवासी संतोष यादव भंगेल में किराये पर रहता था। वह पेशे से ड्राइवर था। दिवाली की रात उसका शव बी ब्लॉक सेक्टर-88 के पार्क में मिला था। पुलिस जांच में पता चला है कि संतोष की ईंट से पीट-पीटकर हत्या की गई है। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने संतोष के चचेरे भाई और उसके दोस्त को हिरासत में लिया है। डीसीपी ने बताया कि संतोष के एक महिला से अवैध संबंध थे, जिसके चलते उसका चचेरा भाई संतोष से रंजिश रखने लगा था। गुरुवार रात उसने संतोष को सेक्टर-88 बी ब्लॉक के पार्क में बुलाया। वहीं, दोनों में कहासुनी हो गई, इसके बाद उसने संतोष की हत्या कर दी।

कानपुर में जीका वायरस का कहर 13 और नए मामले

नई दिल्ली। कानपुर जिले में 13 नए मरीजों में जीका वायरस की पुष्टि हुई है। सभी संक्रमितों में छह बच्चे और तीन महिलाएं शामिल हैं। बच्चों की उम्र 14 वर्ष से कम है। एक मरीज के यूरिन की जांच में जीका की पुष्टि हुई है। इसके साथ में कानपुर नगर में कुल मरीजों की संख्या 79 पहुंच गई है। सभी संक्रमित पूर्व में पए मरीज मरीजों के मोहल्ले या उनके घर के आसपास 400 मीटर दायरे में रहने वाले हैं। इससे स्क्रीनिंग और सैम्पल लेने का अभियान सघन कर दिया गया है। सीएमओ डॉ. नेपाल सिंह के मुताबिक पॉजिटिव आए मरीजों की काटैक्ट ट्रेसिंग टीम रिपोर्ट बना रही है। अभी कोई मरीज गम्भीर नहीं है। हालांकि जरूरत पड़ने और बच्चों की संख्या अधिक होने पर बाल रोग विशेषज्ञों की निगरानी में उन्हें रखा जा सकता है। डीएम विशाख जी. अय्यर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निगरानी और वायरस की जांच के लिये घर–घर जाकर नमूने लेना सुनिश्चित करने के आदेश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जीका वायरस का प्रकोप फैलने से रोकने के लिये त्वरित और प्रभावी कदम उठाने के आदेश दिए हैं।

विकास कार्यों की बैठक में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिए निर्देश

स्थानीय युवाओं को मिले उद्योगों में नियोजन: मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि स्थानीय युवाओं को विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में नियोजन के लिए जिला प्रशासन अपने प्रयासों में वृद्धि करें। रोजगार मेले लगाकर भी युवाओं को विभिन्न रोजगार योजनाओं से जोड़ा जाए। लघु, मध्यम और सूक्ष्म औद्योगिक इकाइयों में बेरोजगार युवाओं को जोड़ने के प्रयासों की कलेक्टर द्वारा सतत् समीक्षा भी की जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास पर सीहोर के बुधनी क्षेत्र के विकास कार्यों पर अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बुधनी में लकड़ी के खिलौनों के व्यवसाय को प्रोत्साहित करने, लघु व्यवसायियों को लाभान्वित करने, उनके व्यवसाय की कठिनाइयों को दूर करने और अंचल में टॉय क्लस्टर के विकास के कार्य को गति देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, सचिव एम. सेलवेन्द्रन, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास मनीष सिंह, सचिव सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं उद्यम उद्योग और आयुक्त उद्योग पी. नरहरि तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुद्रा योजना और स्ट्रीट वेण्डर्स योजना में लाभ दें-: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेरोजगारों को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुद्रा योजना के साथ ही स्ट्रीट वेण्डर्स कल्याण योजना में लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पथ विक्रेताओं के आर्थिक उन्नयन के लिए उनके सर्वे का कार्य किया गया है। पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

स्व-सहायता समूहों को गतिविधियों से जोड़े: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला स्व-सहायता समूहों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जाए। समूहों को प्रावधान के अनुसार आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँ।

संचार, विद्युत और सड़क सुविधाओं का विकास करें: मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचार, विद्युत और सड़क सुविधाओं का विकास किया जाए। विभिन्न संचार कंपनियों के टॉवर स्थापित करने और नए विद्युत उप केन्द्र की स्थापना के लिए प्राप्त प्रस्तावों पर क्रियान्वयन की कार्यवाही की जाए। शहरी क्षेत्रों में जिस तरह वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार का कार्य सतत् रूप से किया जा रहा है। उसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी कार्यों को पूर्ण करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीण क्षेत्र में आवश्यकतानुसार वाटर टैंक निर्माण, बायपास निर्माण और सी.एम. राइज स्कूलों के प्रस्ताव, सामुदायिक भवन, नर्मदा घाट का विकास और पंचायत भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण की समीक्षा भी की।

दिवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण का स्तर, सांस लेना हुआ मुश्किल, घुटने लगा दम

नई दिल्ली। दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध के बाद भी आतिशबाजी करने और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं की वजह से सांस लेना मुशिकल हो गया। शुक्रवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 531 पर पहुंच गया, जो पांच साल में दिवाली के अगले दिन का सर्वाधिक आंकड़ा है। इसके बाद यह शनिवार को बढ़कर 533 हो गया है।

इसके अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली-एनसीआर में धुंध की मोटी परत छाने और हवा की गुणवत्ता खराब होने के कारण लोगों को गले में खराश और आंखों से पानी आने की दिक्कतों से जूझना पड़ा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि राजधानी की वायु गुणवत्ता पराली जलाने की घटनाओं और प्रतिबंध के बावजूद दीपावली पर पटाखे जलाने के कारण खराब हुई है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर दीपोत्सव पर लोगों को पटाखे जलाने की सलाह देने का आरोप लगाया। त्योहारों के मौसम से पहले दिल्ली सरकार ने एक जनवरी 2022 तक पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी और पटाखों की बिक्री तथा इस्तेमाल के खिलाफ सघन अभियान चलाया था। इसके बाद भी दिवाली पर जमकर आतिशबाजी हुई। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई और यहां तक कि कनॉट प्लेस में हाल शुरू किया गया 'स्मॉग टॉवर' भी आसपास के निवासियों को सांस लेने योग्य हवा नहीं दे सका। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी (डीपीसीसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि दिवाली की रात द्वारका-सेक्टर 8, पंजाबी बाग, वजीरपुर, अशोक विहार, आनंद विहार और जहांगीरपुरी में पीएम10 का स्तर 800 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और 1,100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के बीच था।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक आज, वर्चुअली शामिल होंगे प्रदेश पदाधिकारी: विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक रविवार, 07 नवंबर को दिल्ली में आयोजित की जा रही है। बैठक का शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा करेंगे एवं समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन से होगा। इस बैठक में मध्यप्रदेश के कुल 21 पदाधिकारी भाग लेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान दी।

विशेष तौर पर सजाया गया कुशाभाऊ ठाकरे कक्ष: प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने मीडिया को बताया कि इस बैठक में मध्यप्रदेश के 11 पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिल्ली में उपस्थित रहेंगे, जबकि 10 पदाधिकारी प्रदेश कार्यालय के कुशाभाऊ ठाकरे कक्ष से इस बैठक में वर्चुअली भाग लेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि इस बैठक के लिए कुशाभाऊ ठाकरे कक्ष को विशेष तौर पर सजाया गया है, जो प्रदेश की लोकसंस्कृति एवं लोकजीवन की झलक दिखाता है। उन्होंने बताया कि बैठक प्रातः 10 बजे शुरू होगी। उद्घाटन सत्र के पश्चात बैठक में दिवंगत पार्टीजनों, राष्ट्रीय विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शोक प्रस्ताव लाया जाएगा। इसके उपरांत देश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के संबंध में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री जी के स्वागत और जनजातीय गौरवदिवस की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता: श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राजा शंकरशाह और रघुनाथशाह के बलिदान दिवस के कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हमारे प्रधानमंत्री जी भोपाल आ रहे हैं, यह प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गौरव का विषय है। इसे लेकर सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं और वे माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वागत तथा जनजातीय गौरव दिवस समारोह को और भी गौरवशाली बनाने की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

उज्जैन में भी बनेगी खुली जेल, सिंहस्थ में तीन माह के लिए कैदियों से करवाएंगे खाली

भोपाल। उज्जैन के केंद्रीय भैरवगढ़ जेल में हत्या व अन्य गंभीर अपराधों में आजीवन कैद की सजा काट रहे कैदी परिवार के साथ रह सकेंगे। जेल के समीप जल्द ही खुली जेल खुलेगी। यहां 20 कैदी परिवार के साथ रह सकेंगे। कैदी सुबह शहर में आम लोगों की तरह काम पर जाएंगे और शाम को काम खत्म कर वापस लौट आएंगे। हालांकि जेल के समीप खुली जेल बनाने के लिए यह शर्त रखी गई है कि हर 12 साल बाद आने वाले सिंहस्थ में तीन माह के लिए जेल कैदियों से खाली करवा ली जाएगी। जेल को सिंहस्थ के लिए उपयोग किया जाएगा। हत्या व अन्य गंभीर अपराधों के कैदियों को समाज की मुख्य धारा से जोडने़ के लिए नया प्रयास किया जा रहा है। सजा खत्म करने के बाद कैदी समाज में वापस अपना खोया सम्मान पा सकें तथा उसे रोजगार मिले। इसके लिए जेल प्रशासन केंद्रीय जेल भैरवगढ़ में खुली जेल खोलने पर विचार कर रहा है। लंबे समय से इसकी कवायद चल रही थी। जल्द ही इस विचार को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

हुनर के अनुरूप दिलवाएंगे काम

जेल अधीक्षक उषा राज ने बताया कि खुली जेल को जेल की जमीन पर खोला जाएगा। यहां हत्या या अन्य गंभीर अपराधों में आजीवन कैद की 12 साल सजा काट चुके 20 कैदियों को रखा जाएगा। इसके लिए बनाए गए नियम कायदों में खरे उतरने वाले कैदियों का चयन किया जाएगा। कौशल विकास कार्यक्रम के तहत जेल में सीखे गए हुनर के अनुरूप उन्हें काम दिलवाया जाएगा। सुबह कैदी आम लोगों की तरह जेल से काम पर निकलेंगे, काम खत्म होने पर शाम को दोबारा जेल वापस आ सकेंगे। कैदी जेल अधिकारियों की देखरेख में रहेंगे।

मानसिक तनाव होगा खत्म

जेल में लंबे समय से बंद होने के कारण कैदियों में मानसिक तनाव व अवसाद घेर लेता है। वहीं जेल से निकलने के बाद समाज कैदियों को दोबारा पहले की तरह अपनाकर सम्मान नहीं देता है।

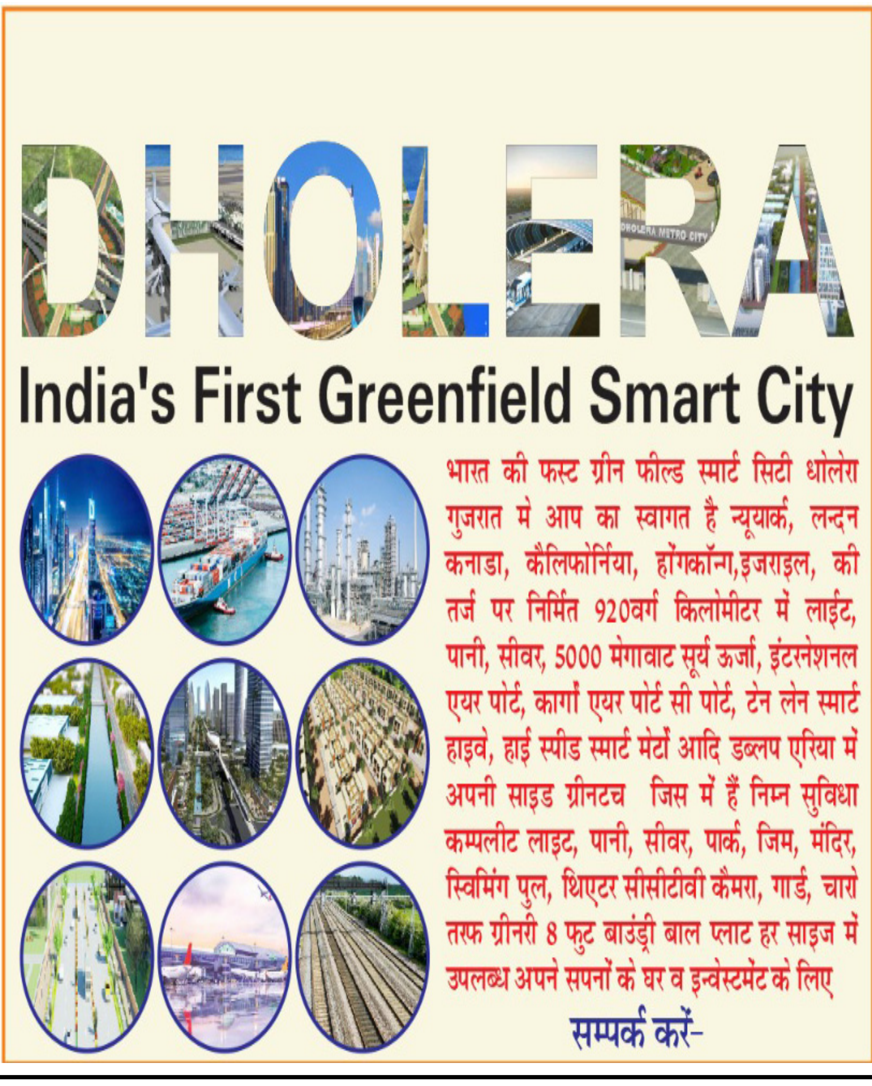

वन-टू-वन

ऋषभ पंत के कोच तारक सिन्हा का निधन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट को कई शानदार खिलाड़ी देने वाले कोच तारक सिन्हा का निधन हो गया। उन्होंने शनिवार तड़के 3 बजे से आखिरी सांस ली।71 साल के तारक सिन्हा दिल्ली में सोनेट क्रिकेट क्लब चलाते थे और आज दुनिया भर में अपनी बल्लेबाजी से लोहा मनवा चुके ऋषभ पंत को तराशने वाले भी तारक सिन्हा ही थे। उनकी एकेडमी से एक दो नहीं, बल्कि कई दिग्गज खिलाड़ी निकले, जो आगे चलकर टीम इंडिया में शामिल हुए। इसमें शिखर धवन, आकाश चोपड़ा और आशीष नेहरा अहम हैं। इनके अलावा मनोज प्रभाकर, अजय शर्मा, अतुल वासन, अंजुम चोपड़ा जैसे खिलाड़ी भी तारक सिन्हा की एकेडमी से ही निकले थे।उनके तैयार किए एक दर्जन खिलाड़ी भारत के लिए खेल चुके है। तारक सिन्हा द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित होने वाले देश के 5वें क्रिकेट कोच थे। उनसे पहले ये अवार्ड देश प्रेम आजाद, गुरचरण सिंह, रामाकांत आचरेकर और सुनीता शर्मा को ये अवार्ड मिल चुका था।सोनेट क्रिकेट क्लब ने कहा, भारी मन के साथ हमें सोनेट क्लब के संस्थापक तारक सिन्हा की इस दुखद खबर को साझा करना पड़ रहा है, जो दो महीने तक फेफड़ों के कैंसर से लड़ाई के बाद दुनिया को अलविदा कह गए। हम उन सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं, जो इस कठिन समय में उनके साथ रहे और उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना की। क्लब की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि वह अपनी अंतिम सांस तक क्रिकेट के बारे में ही सोच रहे थे। उन्हें पक्का यकीन था कि वहां दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर और फिर से क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने के काम में जुट जाएंगे।

इयोन मोर्गन ने यार्कशर काउंटी को अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी से प्रतिबंधित करने के फैसले का समर्थन किया

शारजाह। कप्तान इयोन मोर्गन ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा यार्कशर काउंटी को अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी से प्रतिबंधित करने के फैसले का समर्थन कर कहा कि इस तरह के संवेदनशील मामलों से 'सख्ती से निपटना चाहिए।यॉर्कशर क्लब पूर्व खिलाड़ी अजीम रफीक के नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोपों पर कार्रवाई करने में विफल रहा था।स्वतंत्र जांच में खिलाड़ी के आरोप सही साबित हुए थे जिससे ईसीबी ने क्लब के रवैये को 'घिनौना भी करार दिया। ईसीबी ने यह फैसला यार्कशर के खिलाड़ी गैरी बैलेंस के अपने पूर्व साथी रफीक के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी के उपयोग की बात स्वीकार करने के एक दिन बाद किया।आईसीसी टी20 विश्व कप में शनिवार को मोर्गन से ईसीबी की कार्रवाई के बारे में पूछा गया,तब उन्होंने कहा कि हाँ, ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि इस तरह के गंभीर मामले से सख्ती से निपटने की जरूरत है। एक टीम के रूप में हम सब यही देखना चाहते है। उन्होंने कहा कि जाहिर है कि जांच जारी है।इसकारण केवल समय ही बताएगा कि क्या होता है, लेकिन मुझे लगता है कि बोर्ड के कार्यों ने यह दिखाया है कि ईसीबी इसे कितनी गंभीरता से ले रहा है कि इसे कैसे संभाला जा रहा है। हां, हम इसे एक सही तरीके से देखना चाहते है, लेकिन अगर कोई गंभीर मुद्दा है, तो हम चाहते हैं कि इससे भी निपटा जाए। यॉर्कशर पर ईसीबी की कार्रवाई से पता चलता है कि नस्लवाद जैसे मुद्दों से निपटने के लिए बोर्ड कितना गंभीर है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री सुस्त, बाजार में तेजी का इंतजारः इमामी

नई दिल्ली। इमामी लिमिटेड ने कहा है कि प्रवासी मजदूरों के काम पर शहरों को लौटने से पिछले कुछ सप्ताह से ग्रामीण बाजारों में सुस्ती है। कंपनी का कहना है कि उसे ग्रामीण बाजार में उछाल का इंतजार है। बालों का तेल, त्वचा के लिए क्रीम आदि बनाने वाली प्रमुख कंपनी इमामी ने अपनी ग्रामीण पहुंच बढ़ाने के लिए चार राज्यों में खोज परियोजना शुरू की है। कंपनी को उम्मीद है कि वह चालू वित्त वर्ष के आ?खिर तक अपने नेटवर्क पर करीब 9,000 कस्बों और गांवों को जोड़ पाएगी। साथ ही कंपनी संपूर्ण कवरेज मॉडल परियोजना को अब तीन के बजाय दो साल में करेगी। इमामी लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक मोहन गोयनका ने दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा के दौरान विश्लेषकों से कहा ?कि मुझे यह कहने में हिचक नहीं है कि पिछले तीन से चार सप्ताह में ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री में थोड़ी कमी आई है। उन्होंने ग्रामीण बाजार में आई सुस्ती का कारण बताते हुए कहा ?कि मैं इस बारे में ज्यादा स्पष्ट नहीं हूं कि पिछले कुछ हफ्तों में यह अचानक कम क्यों हुई। इनमें से एक वजह यह है कि प्रवासी मजदूर गांवों से अब वापस शहर लौट रहे हैं लेकिन हमें अभी इंतजार करना होगा और देखना होगा कि क्या बाजार में तेजी से उछाल आता है।

देश भर में सरसों तेल के भाव पर असर नहीं

नई दिल्ल। त्योहारी सीजन में सरकार ने खाद्य तेलों के आयात पर ड्यूटी में कटौती की थी, इसका फायदा भी ?दिखाई ?दिया लेकिन सरसों तेल के भाव में देश भर में कहीं कोई कमी दिखाई नहीं दे रही है। भारत सरकार के खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि देश में पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल, सूर्यमुखी का तेल और मूंगफली के तेल के भाव में 5 से लेकर 20 प्रति लीटर की कमी आई है। खाद्य मंत्रालय ने देश भर के अलग-अलग बाजार से इन तीनों के खुदरा भाव जुटाने के बाद यह जानकारी दी है। केंद्र सरकार के खाद्य मंत्रालय के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि देश में खाद्य तेलों की क्वालिटी में अब सुधार हुआ है और भाव बढ़ने जैसी दिक्कत धीरे धीरे कम हो रही हैं। देश में खाद्य तेलों की उपलब्धता बढ़ने की वजह से भी इनके भाव में नरमी दर्ज की जा रही है। केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों के भाव में राहत देने के हिसाब से आयात शुल्क में कटौती की थी और कारोबारियों द्वारा स्टॉक की घोषणा करना जरूरी कर दिया था। देश भर में सरसों तेल के भाव में कमी नहीं आने की वजह से चिंता अब भी अपनी जगह बरकरार है।

न्यूज़ीलैंड की हार पर टिकी टीम इंडिया की उम्मीदें

-नॉकआउट मैचों में है हारने का है रिकॉर्ड

नई दिल्ली)। टी-20 वर्ल्ड कप टीम इंडिया की उम्मीदें अब न्यूज़ीलैंड और अफगानिस्तान के बीच रविवार को होने वाले मुक़ाबले पर टिकी हैं। अगर अफगानिस्तान की जीत हुई तो फिर सेमीफाइनल के लिए टीम इंडिया की टिकट पक्की हो जाएगी, लेकिन न्यूजीलैंड के लिए भी ये 'करो या मरो' की लड़ाई है। आखिरी चार में पहुंचने के लिए उन्हें हर हाल में जीतना होगा। लेकिन रिकॉर्ड और आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि न्यूजीलैंड की टीम दबाव में बिखर जाती है। और अगर ऐसा हुआ फिर तो टीम इंडिया की बल्ले-बल्ले है।

न्यूजीलैंड की टीम अब तक एक बार भी टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। दो बार इनका सफर सेमीफाइनल में ही खत्म हो गया था। साल 2007 के पहले टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में न्यूज़ीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया था। पिछली बार यानी 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दिल्ली के मैदान पर 7 विकेट से करारी शिकस्त दी थी।

हाल के रिकॉर्ड्स की बात की जाए तो साल 2019 के वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड की टीम फाइनल में पहुंची थी। लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेला गया फाइनल टाई रहा था। बाद में सुपर ओवर में इंग्लैंड को जीत मिल गई। टी-20 और वनडे के ओवर ऑल रिकॉर्ड पर नज़र डाले तो न्यूजीलैंड को अब तक नॉकआउट मैचों, यानी सेमीफाइनल, फाइनल और क्वार्टर फाइनल के 44 मैचों में से सिर्फ 13 में जीत मिली है। जबकि उन्हें इस दौरान 30 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। यानी करीब 68 फीसदी नॉकआउट मैचों में न्यूजीलैंड की हार हुई है। ये किसी भी बड़ी टीम के मुकाबले न्यूजीलैंड का सबसे खराब रिकॉर्ड है। वैसे हाल के आंकड़ों पर नज़र डालें तो रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर हुआ है। पिछले 5 नॉकआउट मैचों में से 3 में न्यूजीलैंड को जीत मिली है। इसमें 2015 और 2019 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। 2019 में वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को हराया था। इसके अलावा उन्हें 2015 के वर्ल्ड कप में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जीत मिली थी। लेकिन फिर फाइनल में वो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गए थे और फिर 2019 वर्ल्ड कप के फ़ाइनल में हार गए।

आगरकर ने कहा, अफगानिस्तान अच्छे फार्म में, उसके पास न्यूजीलैंड को हराने का दम

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत आगरकर को लगता है कि अफगानिस्तान में न्यूजीलैंड को हराने की क्षमता है।रविवार को अबूधाबी में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला भारत के लिहाज से काफी अहम है। अगर न्यूजीलैंड यह मैच जीत जाता हैं,तब भारत का टी20 वर्ल्ड कप 2021 में सफर समाप्त हो जाएगा। यानी सेमीफाइनल में पहुंचने की भारत की उम्मीदें खत्म होगी। वहीं अगर अफगानिस्तान जीत जाता है और सोमवार को भारत नामीबिया को हरा दें, तब (भारत, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान) तीनों टीमें छह अंक पर टाई हो जाएंगी।इसके बाद जिस टीम का रनरेट बेहतर होगा वह सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। आगरकर से पूछा गया कि क्या अफगानिस्तान वाकई न्यूजीलैंड को हरा सकता है।

भारतीय शूटर मनु भाकर ने वर्तमान ओलपिक चैंपियन के साथ मिलकर साधा सोने पर निशाना

व्रोक्लॉ। भारतीय सितारा निशानेबाज मनु भाकर ने वर्तमान ओलंपिक चैंपियन ईरान के जावेद फोरोगी के साथ मिलकर पहले आईएसएसएफ प्रेसिडेंटस कप में कमाल कर दिया। भारतीय- ईरानी जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग का गोल्?ड मेडल अपने नाम कर लिया है। इस जोड़ी ने फ्रांस के मटिल्डे लामोले और रूस के अर्तेम चेरनोसोव को 16-8 से हराया। मनु और फोरोगी की जोड़ी क्वालीफिकेशन दौर के बाद 600 में से 582 स्कोर करके तीसरे स्थान पर थे। पहले सेमीफाइनल में 4 टीमों में शीर्ष पर रहकर उन्होंने फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल लामोले और अर्टेम ने जीता। अन्य भारतीयों में अभिषेक वर्मा और उक्रेन की ओलेना कोस्टेविच की जोड़ी छठे स्थान पर रही।

टीवी एंकर नौमान नियाज ने शोएब अख्तर से बिना शर्त माफी मांगी

कराची। टीवी एंकर नौमान नियाज ने आन-एयर बहस के लिए शोएब अख्तर से बिना शर्त माफी मांग ली है। लेकिन साथ ही कहा कि पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज पीटीवी के साथ प्रतिबद्धता को हल्के में ले रहे थे,इस कारण भी घटना हुई। अख्तर को नियाज ने सेट छोड़कर जाने के लिए कह दिया और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने तुरंत ही घोषणा कर दी कि वह पीटीवी के क्रिकेट विश्लेषक के तौर पर इस्तीफा दे रहे हैं।

नियाज ने जिस तरीके से अख्तर से व्यवहार किया था, उससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गयी थी जिसमें से कई ने टीवी एंकर की बर्खास्तगी की मांग की थी। यह घटना विश्व कप शो के दौरान हुई थी जिसमें सर विव रिचर्ड्स, डेविड गॉवर, राशिद लतीफ, आकिब जावेद, अजहर महमूद, उमर गुल और सना मीर भी मौजूद थे। अख्तर ने तब तक पीटीवी प्रबंधन द्वारा गठित जांच समिति के समक्ष आने से इनकार कर दिया था तब तक नियाज को उनके व्यवहार के लिए बर्खास्त नहीं किया जाता। समिति ने तुरंत दोनों को ऑफ एयर कर दिया। नियाज ने गुरूवार की रात यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने बहुत बड़ी गलती की और उनका व्यवहार अनुचित, अक्षम्य था। नियाज ने कहा कि मैं माफी मांगता हूं और अपने व्यवहार के लिए लाखों बार माफी मांगूंगा क्योंकि यह नहीं होना चाहिए था क्योंकि शोएब एक स्टार हैं। उनकी प्रतिक्रिया भी जायज थी। उन्होंने कहा कि मुझे कोई अधिकार नहीं था। गलती इंसान से होती है जिसके लिए मैं माफी मांगता हूं। एक बार नहीं बल्कि लाखों बार। शोएब एक 'रॉक स्टार% हैं। जो भी कैमरे पर हुआ, वह अशोभनीय था। शोएब हमारे साथ वार्षिक आधार पर अनुबंधित थे और हम उन्हें एक्सक्लूसिव होने के आधार पर काफी अच्छा भुगतान करते हैं।

अब अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले से तय होगा भारत का भविष्यः विराट

दुबई। टीम इंडिया ने दुबई के मैदान पर टी-20 विश्व कप के तहत स्कॉटलैंड के खिलाफ खेले गए गए महत्वपूर्ण मैच में शानदार जीत हासिल की है। मैच जीतने के साथ ही टीम इंडिया का नेट रन रेट भी प्लस में आ गया है। मैच खत्म होने के बाद भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने इसको लेकर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा जन्मदिन पर मेरा परिवार साथ है। यही मेरे लिए काफी है। मैच पर कोहली ने कहा आज दबंग प्रदर्शन था। कुछ ऐसा जो हम फिर से करने की कोशिश कर रहे थे। अब निगाहें 7 नवंबर को अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड के मैच पर लग गई हैं। इस मुकाबले पर बहुतकुछ निर्भर करता है। कोहली बोले आप देख सकते हैं कि ऐसे स्थानों पर टॉस कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। हम उन्हें 110-120 अधिकतम के नीचे लाना चाहते थे, यही मानसिकता थी जिसके साथ हम गए थे।

अफगानिस्तान नहीं जीता तो फिर बैग पैक करके घर की रवानगी डालेंगे : जडेजा

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्डकप-2021 में टीम इंडिया का शुरूआती प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा लेकिन शुक्रवार को स्कॉटलैंड को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल के लिए एक बार फिर उम्मीदें जगा ली हैं। टी-20 वर्ल्डकप 2021 में टीम इंडिया की ये लगातार दूसरी जीत है। ऐसे में अगर आगे अफगानिस्तान भी अपना मैच जीत जाता है, तो टीम इंडिया का सेमीफाइनल में पहुंचने का चांस बन सकता है। जब ऐसा ही सवाल रवींद्र जडेजा से हुआ तो उन्होंने मज़ेदार जवाब दिया। स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच के बाद जब टीम इंडिया की ओर से रवींद्र जडेजा प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए, तब एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया। अगर अफगानिस्तान आने वाले मैच में न्यूजीलैंड को नहीं हरा पाती है, तो आगे क्या? इस पर रवींद्र जडेजा ने सीधा जवाब दिया कि तब तो बैग पैक करके घर जाएंगे, और क्या? दरअसल, भले ही टीम इंडिया ने लगातार दो बड़ी जीत हासिल करके अपना नेट-रनरेट बेहतर कर लिया हो लेकिन अभी भी उसके लिए राह आसान नहीं है।

केएल राहुल ने अफवाहों पर विराम लगाते हुए अथिया शेट्टी संग अपनी लव स्टोरी को कबूल किया

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर केएल राहुल ने बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी की अदाकारा बेटी अथिया शेट्टी के साथ डेटिंग की खबरों के साथ अपनी लव स्टोरी को कबूल कर लिया है। स्कॉटलैंड के खिलाफ 18 गेंदों में टी-20 विश्व कप 21 की सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले राहुल ने अपने इंस्टाग्राम पर अथिया शेट्टी के साथ फोटो शेयर की है जिसमें उन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए अपने प्यार का इकरार भी किया है। देखें पोस्ट- आथिया काफी समय से केएल राहुल के साथ अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती आ रही हैं लेकिन दोनों ने अपने रिश्ते पर अब तक चुप्पी साध रखी थी। न तो केएल राहुल इस रिश्ते पर जनतक तौर पर कुछ बोल रहे थे न ही अथिया शेट्टी।

बजाज का शानदार आफर, 1,000 रुपए में बुक करें नई बाइक, डिलीवरी अगले हफ्ते से

नई दिल्ली। मशहूर वाहन निर्माता कंपनी बजाज ऑटो ने त्योहारी सीजन में अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल पल्सर के दो वैरिएंट पल्सर एन250 और पल्सर एफ250 लॉन्च किए हैं। पल्सर ब्रांड के तहत ये कंपनी की सबसे अधिक इंजन क्षमता वाली बाइक है। पल्सर ब्रांड के तहत 125सीसी से 250सीसी तक की बाइक आती हैं। नई बजाज पल्सर 250 की ऑनलाइन बुकिंग शुरू होना अभी बाकी है। लेकिन कंपनी के डीलरशिप स्टोर पर इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है। इसके लिए ग्राहकों को 1,000 रुपए जितनी छोटी टोकन रकम से लेकर 5,000 रुपए तक की रकम देनी है। अगर आप कंपनी की पल्सर250 के दोनों वैरिएंट में से किसी की भी टेस्ट ड्राइव लेना चाहते हैं तो इसकी जल्द ही डिलीवरी शुरू होने के बाद ग्राहक उसका भी मजा ले सकेंगे। कंपनी पल्सर 250 के दोनों वैरिएंट की डिलीवरी अगले हफ्ते से शुरू कर सकती है। बजाज ऑटो ने आधिकारिक तौर पर नई पल्सर 250 के दोनों वैरिएंट की डिलीवरी 10 नवंबर से शुरू करने की घोषणा की है। इस दिन की एक खास बात और कि पल्सर के सबसे पहले मॉडल की डिलीवरी भी 20 साल पहले इसी दिन शुरू हुई थी। बजाज ऑटो ने अपनी नई बजाज पल्सर 250 के दोनों मॉडल को पूरी तरह से री-डिजाइन किया है। स्पोर्ट बाइक सेगमेंट में दमदार मौजूदगी रखने वाली इस बाइक को कंपनी ने नई ट्यूबलर फ्रेम चेसिस पर डेवलप किया है। इसमें फ्रंट पर टेलीस्कोपिक सस्पेंशन फोर्क है। वहीं रियर पर कंपनी ने नया मोनोशॉक सस्पेंशन यूनिट दिया है। बजाज पल्सर 250 में कंपनी ने डीटीएस-आई 4 स्ट्रोक ऑयल कूल्ड इंजन दिया है। ये बीएस-6 के अनुरूप है। ये 24.5 पीएस की मैक्सिमम पावर और 21.5 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इस बाइक में कंपनी ने 5-स्पीड ट्रांसमिशन मोड दिया है और सेमी डिजिटल मीटर दिया है और साथ में टैकोमीटर नीडल को बरकरार रखा है।

12 प्रदेश ने पेट्रोल-डीजल पर वेट घटाने से किया इंकार, बजट बिगड़ने का दिया हवाला

नई दिल्ली। दीवाली पर पेट्रोल की कीमतों में 5 और डीजल पर 10 रुपए की कटौती करने के केंद्र के फैसले ने महंगाई से जूझ रहे लोगों को काफी राहत दी है। इस साल जुलाई के बाद पहली बार, 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गुरुवार से पेट्रोल 100 रुपए से नीचे पर बिक रहा है। लगभग पूरे देश में जुलाई के दूसरे सप्ताह के शुरुआत में ही पेट्रोल 100 रुपए तक पहुंच गया था। अब बीजेपी और उसके सहयोगी दलों की सरकार वाले 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल के दाम को 100 रुपए के नीचे लाया गया है। इसमें कर्नाटक, बिहार और मध्य प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख शामिल नहीं हैं। यहां केंद्र और राज्य द्वारा टैक्स में कटौती के बावजूद पेट्रोल की कीमत 100 रुपए से ज़्यादा है। पेट्रोल और डीजल के दामों में समान कटौती की घोषणा के साथ राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। देश के 16 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों ने वैट में कटौती करने का फैसला किया है, वहीं 12 राज्य और 1 केंद्र शासित प्रदेश यह कटौती करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि ऐसा करने से इन्हें आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

जिन 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पेट्रोल और डीजल में वैट में कोई कमी नहीं की है, वे हैं- शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस शासित महाराष्ट्र, आप शासित दिल्ली, टीएमसी शासित पश्चिम बंगाल, डीएमके शासित तमिलनाडु, टीआरएस शासित तेलंगाना, वाईएसआरसीपी शासित आंध्र प्रदेश, केरल, एनपीपी सत्तारुढ़ मेघालय, झामुमो शासित झारखंड, कांग्रेस शासन वाली छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान और अंडमान और निकोबार। ओडिशा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां विपक्ष की सरकार है और जहां पेट्रोल और डीजल दोनों पर वैट में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की घोषणा की गई है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, हरियाणा, असम, चंडीगढ़, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और पुडुचेरी में पेट्रोल 100 रुपए से कम कीमत पर बेचा जा रहा है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में कटौती करने से, बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को राजनीतिक तौर पर फायदा होने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि अप्रैल 2020 में पेट्रोल 69 प्रति लीटर से थोड़ा ज़्यादा था और इस साल मार्च के अंत में 90 के स्तर को छू गया था।

सेंसेक्स 257 अंकों की गिरावट के साथ 59,771.92 पर बंद

निफ्टी 59.75 अंक टूटकर 17,829.20 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांच कारोबारी सत्रों में से केवल सोमवार, मंगलवार, बुधवार को कारोबार हुआ, गुरुवार 04 नवंवर दीपावली को शेयर बाजार बंद रहे ले?किन एक घंटे का मुहूर्त ट्रेडिंग कारोबार हुआ और शुक्रवार 05 नवंबर दीपावली प्र?तिपदा के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। शेयर बाजार सोमवार और मंगलवार को तेजी के साथ खुलकर बंद हुए। वहीं बुधवार को बाजार की शुरुआत तेज रही ले?किन आ?खिर में ?गिरावट के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 506.20 अंक बढ़कर 59,813.13 पर खुला और 831.53 अंकों की बढ़त के साथ 60,138.46 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 158.40 अंकों की बढ़त के साथ 17,830.05 के स्तर पर खुला और 258.00 अंकों की तेजी के साथ 17,929.65 पर बंद हुआ है। मंगलवार को सेंसेक्स में 228.13 अंकों की बढ़त के साथ 60,366 पर खुला और 109.40 अंकों की फिसलन के साथ 60,029.06 पर बंद हुआ। निफ्टी 73.50 अंक बढ़कर 18003.15 पर खुला और 40.70 अंकों की गिरावट के साथ 17,888.95 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 282.15 अंक बढ़कर 60,311.21 पर खुला और 257 अंकों की ?गिरावट के साथ 59,771.92 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 84.20 अंकों की बढ़त के साथ 17973.15 के स्तर पर खुला और 59.75 अंक टूटकर 17,829.20 के स्तर पर बंद हुआ। हिंदू संवत वर्ष 2078 की शुरुआत के उपलक्ष्य में गुरुवार को बाजार में एक घंटे की स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग हुई जिसमें सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ बंद हुए। पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों और पेट्रोल एवं डीजल की एक्साइज ड्यूटी में कटौती के चलते बाजार को ऊपर की ओर सहारा मिला। मुहूर्त ट्रेडिंग के दिन सेंसेक्स 295.70 अंक बढ़कर 60067.62 पर और निफ्टी 91.80 अंक बढ़कर 17921 पर बंद हुआ। लगभग 2535 शेयर में बढ़त दिखी जबकि 514 शेयरों में गिरावट आई और 146 शेयर यथावत रहे। गुरुवार को मुहूर्त ट्रेडिंग के दिन सेंसेक्स अपने दो सत्रों की फिसलन के विपरीत 295.70 अंक चढ़कर 60,067.62 पर पहुंच गया।

केंद्र के फैसले के बाद 22 राज्यों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट किया कम

अभी भी देश के 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कोई कमी नहीं की

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपए और 10 रुपए की कमी करने के भारत सरकार के फैसले के बाद देश के 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कमी की है। केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक अभी भी देश के 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट में कोई कमी नहीं की है। खासकर भाजपा शासित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में वैट में कटौती से इन राज्यों में पेट्रोल की कीमतों में 8.7 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 9.52 रुपये प्रति लीटर तक की अतिरिक्त कमी हुई है। केंद्र सरकार ने पिछले बुधवार को पेट्रोल पर लागू उत्पाद शुल्क में पांच रुपए प्रति लीटर और डीजल पर लागू शुल्क में दस रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। केंद्र की पहल के बाद भाजपा-शासित राज्यों ने स्थानीय वैट की दरों में कटौती की है जिससे देश के 22 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में पेट्रोल एवं डीजल के दाम में अलग-अलग स्तरों पर कटौती की गई है। हालांकि गैर-भाजपा शासित राज्यों जैसे महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और दिल्ली ने स्थानीय शुल्क में अभी कटौती नहीं की है। इसे लेकर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। पेट्रोलियम उत्पादों पर वैट कम करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदशों में कर्नाटक, पुडुचेरी, बिहार, मध्य प्रदेश, गोवा, गुजरात, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, असम, सिक्किम, दादरा एवं नागर हवेली, दमन एवं दीव, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं लद्दाख शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

खाली पड़े घर में लगी आग, मोटरसाइकिल सहित अन्य सामान जला

भिण्ड। आलमपुर कस्बे के वार्ड क्रमांक 6 हनुमान जी मन्दिर के पास खाली पड़े एक मकान में बीते शुक्रवार की रात में आग लग गई। जिससे घर के अंदर रखी एक मोटरसाइकिल सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। मोहल्ले के लोगों को रात करीब साढ़े दस बजे उक्त खाली पड़े मकान में आग लगने का पता चला तब लोगों ने आग बुझाई। लेकिन घर के अंदर रखी राकेश कुचिया की मोटरसाइकिल आग से जलकर पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इसके अलावा रिंकू कुचिया का कुछ सामान भी जलकर राख हो गया। उक्त खाली पड़े घर में विद्युत कनेक्शन भी नहीं है। आग कैसे लगी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया। किन्तु अनुमान लगाया जा रहा है। किसी बच्चें ने राकेट चलाया होगा और वह घर के अंदर गिर गया। संभवतः उसी से आग लगी होगी।

अभा कवि सम्मेलन, पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह आज

भिण्ड। साहित्यिक संस्था उजास तथा मप्र लेखक संघ के तत्वावधान में सात नवंबर को डॉ. सुनील त्रिपाठी निराला के गजल संग्रह 'कुहासा मार डालेगा' का विमोचन, सम्मान समारोह तथा अभा कवि सम्मेलन का आयोजन वेदांता इंटर नेशनल स्कूल, गायत्री विहार कुम्हरौआ रोड भिण्ड में शाम छह बजे से किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता डॉ विनोद सक्सेना करेंगे। जानकारी देते हुए आयोजन समिति के पदाधिकारियों आशुतोष शर्मा नन्दू, मोहम्मद शकील, किशोरीलाल बादल तथा हेमंत जोशी नादान ने बताया कि उजास के इस सारस्वत अनुष्ठान में भरथना से महेश मंगल, हाथरस से डॉ. देवेन्द्र दीक्षित शूल, लहार से हरिहर सिंह मानसभृंग, कन्नौज से शिवम शुक्ला, टूंडला से राम राहुल, जितेंद्र अमित को कवितापाठ के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रथम सत्र में अभा कवि सम्मेलन तथा द्वितीय सत्र में सम्मान समारोह में आमंत्रित कवियों को श्रीमती विट्टन देवी-भूरसिंह भदौरिया स्मृति समिति, स्व. पं. रामदयाल शर्मा फाउण्डेशन, श्री वैद्यराज जनमेजय शर्मा स्मृति समिति, ऋषभ फाउण्डेशन, महाकाली स्वास्थ्य समिति, स्व. पं. नवाब प्रसाद जोशी स्मृति समिति, श्री नाथूराम गुप्ता वियोगी स्मृति समिति, श्री दीपचंद पालीवाल स्मृति समिति तथा श्री राजीव गांधी न्यास द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ-साथ राष्ट्रपति, राज्यपाल तथा आचार्य सम्मान प्राप्त शिक्षकों, पत्रकारों, साहित्यकारों, वर्ग एक व वर्ग दो में शिक्षक पद पर चयनित उजास क्लासेज के छात्रों तथा चयनित समाजसेवियों का मंच से सम्मान किया जाएगा।

जिस माह सेवानिवृत्त हुए उसी माह हर वर्ष पेंशनर को देना होगा जीवन प्रमाण-पत्र

भिण्ड । अब पेंशनर जिस माह में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुआ है, उसे उसी माह प्रतिवर्ष जीवन प्रमाण-पत्र संबंधित बैंक शाखा में प्रस्तुत करना होगा। इसी तरह परिवार पेंशन के प्रकरण में परिवार पेंशनर को उस माह जीवन प्रमाण-पत्र बैंक में प्रस्तुत करना होगा, जिस माह उसकी परिवार पेंशन प्रारम्भ हुई है। पेंशन, भविष्य निधि और बीमा संचालक जे.के. शर्मा ने बताया कि अभी तक शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पेंशनर और परिवार पेंशनर को जीवन प्रमाण-पत्र संबंधित बैंक में प्रतिवर्ष नवम्बर माह में प्रस्तुत करना होता था। इस संबंध में एक जुलाई 2020 से लागू की गई मध्यप्रदेश कोषालय संहिता-2020 के सहायक नियम-201 के अनुसार जीवन प्रमाण-पत्र बैंक में जमा करने के संबंध में संशोधित नियम जारी किए गए हैं। शासन के इस नियम से सभी बैंकों को अवगत कराया गया है।

रतनगढ़ माता मन्दिर पर दर्शन करने के लिए जाने बाले श्रद्धालुओं का लगा तांता...

भिण्ड। रतनगढ़ माता मन्दिर पर भाई दोज पर लगने बाले विशाल मेला में शामिल होने के लिए उत्तरप्रदेश के हजारों श्रद्धालुगण चार पहिया, दो पहिया वाहनों तथा पैदल आलमपुर मार्ग से गुजर रहे हैं। इस दौरान रतनगढ़ जाने बाले श्रद्धालुओं को आलमपुर कस्बे के युवाओं द्वारा कालेज तिराह पर रोक रोककर लहार पर्रायच पुल होते हुए रतनगढ़ धाम जाने की सलाह दी जा रही है। क्योंकि रतनगढ़ माता पर सिंध नदी का पुल टूटने के बाद पुलिस और प्रशासन द्वारा भगुआपुरा होते हुए रतनगढ़ जाने पर रोक लगाई गई है। लेकिन इसके बावजूद अनेक श्रद्धालु गण भगुआपुरा होते हुए रतनगढ़ धाम के लिए निकल रहे हैं। आलमपुर कस्बे में पुराने कालेज तिराहे पर रतनगढ़ माता मन्दिर पर जाने बाले श्रद्धालुओं को रोक रोककर चाय पिलाई जा रही है। चाय पिलाने का कार्यक्रम कालेज तिराहे पर दुकानों को संचालित करने बाले व्यापारियों के साथ साथ अन्य युवाओं द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करना पहली प्राथमिकता : मानसिंह

कांग्रेस प्रक्षिण विभाग की बैठक संपन्न कार्यकताओ को जम्मेदारी सौंपी

भिण्ड। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भिण्ड में संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु प्रक्षिण विभाग की बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने कहा कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया। और कहा भाजपा के राज्य ने देश को महंगाई बेरोजगारी के सिवा कुछ नही दिया भाजपा केवल धार्मिक उन्माद का सहारा लेकर सत्ता आई और विकास के कार्य अवरुद्ध किए। इसलिए उखाड़ने के लिए हमे अपना बूथ मजबूत करना होगा यही पार्टी और हमारी पहली प्राथमिकता है। प्रशिक्षण विभाफ के प्राभारी ईरशाद अहमद ने कहा कि जिले भर में एक प्रशिक्षण टीम बनाई गई है। उनके द्वारा बूथ स्तर पर प्रशिक्षण अभियान चलाकर कांग्रेस की विजय सेना तैयार की जावेगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ.अनिल भारद्वाज ने बताया कि बूथ स्तर के पदाधिकारियों को भी प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन की नीतियों को बताया जाएगा उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का व्यापारी और गरीब परेशान हैं, रोजी-रोजगार के संकट के साथ कमरतोड़ महंगाई और बेलगाम अफसरशाही से जनता त्रस्त है। इसलिए प्रशिक्षण के माध्यम से भाजपा की जनविरोधी नीतियों को कार्यकर्ता जनता को बताए। और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। बैठक में नयन सिंह बाराकला, सत्यप्रकाश गोयल, कमलेश कौरव, रानू भादौरिया, सतीश जैन, लज्जाराम यादव, भगीरथ कुशवाह, ने भी विचार रखें।

21सदस्यी टीम घोषित

जिला बूथ प्रबंधन प्रशिक्षण विभाग के जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश गोयल ने 21 लोगो को अहम जिम्मेदारी सौंपी। जिसमे कमलेश सिंह कौरव, सतीश जैन को उपाध्यक्ष, रमेश वर्मा, हरेंद्र गुर्जर, नसीर बल्लू को महासचिव, लक्ष्मण बघेल, मलकीत सिंह, आशुतोष मिश्रा,आरिफ खान, मुकेश राजावत को सचिव, भगीरथ कुशवाह को कोषाध्यक्ष, नबाब सिंह,जमील खान,अनिल यादव,मुन्ना खान,रामनिवास कुशवाह, नबाब खान, मनोज जैन, मुकेश प्रजापति, फिरोज खान को सदस्य बनाया गया है।

अब से सप्ताह में सातों दिन खुलेंगे कोविड वैक्सीनेशन केन्द्र

10, 17, 24 नवम्बर और 4 दिसम्बर को कोविड टीकाकरण महा-अभियान शत-प्रतिशत व्यक्तियों को दोनों डोज लगाने बनाई रणनीति

सभी विभागों के मैदानी अमले को दी गई जिम्मेदारी

भिण्ड । शत-प्रतिशत लक्षित व्यक्तियों को दिसम्बर माह अंत तक कोविड-19 वैक्सीन की दोनों डोज लगाने के लिये रणनीति बनाई गई है। अब से सप्ताह के सातों दिन कोविड-19 टीकाकरण केन्द्र पर टीकाकरण किया जा रहा है। कोविड टीकाकरण महा-अभियान 10, 17, 24 नवम्बर और 4 दिसम्बर को संचालित किया जायेगा। कोरोना वैक्सीन से शेष रहे लोगों और दूसरी डोज से शेष रहे लोगों को चिन्हित कर उन्हें टीकाकरण केन्द्र तक पहुँचाने और उनका टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिये सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन के लिये किये गये नवाचारों को देखते हुए शत-प्रतिशत व्यक्तियों का टीकाकरण करवाने में कारगर नवाचार और रणनीति को अपनाने के लिये भी कहा गया। तैयार की गई रणनीति में सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों से कहा गया है कि कोविड-19 टीकाकरण के लिये व्यवस्थित ढंग से ऐसे प्रयास करें, जिससे टीका लगवाने से कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं रहे। इसके लिये ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनकी सूची तैयार की जाये, जिन्होंने एक भी टीका नहीं लगवाया है। इसके बाद एक टीका लगवा चुके व्यक्तियों की सूची बनाई जाये। कोविड टीके की दोनों डोज लगवाने वाले व्यक्तियों की भी सूची बनाई जाये। सभी व्यक्तियों को चिन्हित करने के लिये निवास स्थान छो? चुके अथवा अपने निवास स्थान से अन्य स्थान के लिये पलायन करने वाले परिवारों की सूची भी बनाई जाये। कोविड-19 टीकाकरण का प्रतिरोध करने वाले परिवारों को चिन्हित कर उनकी भी सूची तैयार की जायेगी।

विधि विधान से किया गया भगवान श्री चित्रगुप्त पूजन व अखंड ज्याति निर्माण

भिण्ड। नेशनल कायस्थ एक्शन कमेटी द्वारा ग्राम बबेडी में नव निर्माण प्राण प्रतिष्ठा भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में प्रथम भाईदूज के मौके पर कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय सह संयाजक अमित श्रीवास्तव द्वारा रखा गया भगवान श्री चित्रगुप्त का विधि विधान से पूजन व अखंड ज्योति का निर्माण मंदिर पुजारी भानुप्रताप उर्फ शिरीदास महाराज जी द्वारा मंत्रोच्चार के साथ छोटे बच्चे रूद्र श्रीवास्तव व शिवांशी श्रीवास्तव के द्वारा अखंड दीप प्रज्वलित किया गया एवं भगवान श्री चित्रगुप्त भगवान का कलम दवात के साथ विधि विधान से किया गया उसके बाद बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता संभागीय संयोजक शिवम श्रीवास्तव ने किया संभागीय संयोजक ने कहा कि आज के दिन ही भगवान श्री राम का राजतिलक में न बुलाने की वजह से नाराज होकर भगवान श्री चित्रगुप्त द्वारा कलम बंद करके काम को रोक दिया गया। जिसके वजह से समस्त भगवानों द्वारा उनसे आग्रह करके काम को सुचारू रूप से शुरू करवाया गया जिसमें भगवान श्री राम ने अपनी गलती स्वीकार कर अयोध्या में सरयू नदी तट के किनारे श्री धर्महरी के नाम से भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर का निर्माण करवाया वहीं सह संयोजक अमित श्रीवास्तव व अभिषेक सक्सेना ने कहा कि जल्द ही भिण्ड शहर में भगवान श्री चित्रगुप्त चौराह की मांग को लेकर शासन को ज्ञापन दिया जायेगा एवं नेशनल कायस्थ कमेटी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। वहीं अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त सिर्फ कायस्थ समाज के ही नहीं सर्व समाज के भगवान है इसलिए सर्व समाज को उनकी पूजा करनी करनी चाहिए कहकर कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में निम्न लोग भानुप्रताप श्रीवास्तव (पुजारी), अरूण श्रीवास्तव, राजेश सक्सेना, संतोष सक्सेना, अभिषेक सक्सेना, डा. साकेत सक्सेना, कुलदीप अभिषेक सक्सेना, संतोष श्रीवास्तव, सक्षम श्रीवास्तव, गिरधर गोपाल श्रीवास्तव, कृष्ण गोपाल श्रीवास्तव,अंतरा सक्सेना (सिंगापुर) एवं अधिक संख्या में लोग उपस्थित हुए।

संतों के सानिध्य में निकली भागवत सप्ताह कलश रथयात्रा

भिण्ड। सत्रह बटालियन स्थित मां निरंजना धाम के प्रांगण में भव्य श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन 6 नवंबर शनिवार से 12 नवंबर शुक्रवार तक किया जायेगा। जबकि भंडारा 13 नवंबर शनिवार को किया जाएगा। इस संगीतमय सरस कथा का वाचन सरस कथा वाचक पंडित सेवाराम शास्त्री भगवताचार्य के द्वारा किया जाएगा। भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सभी माताओं बहनों एवं माँ निरंजना धाम के समस्त श्रद्धालुओं के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अमृत लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया गया है। श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिन शनिवार को विशाल कलश एवं रथ यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में कमल दास महाराज टीकरी वाले एवं चिलोंगा धाम के महाराज ने उपस्थित रहकर सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस कथा का आयोजन माँ निरंजना धाम के सभी माताओं बहनों एवं श्रद्धालुओं के द्वारा सामुहिक रूप से किया जा रहा है।

सड़क सुरक्षा समिति के तहत पुलिस अधीक्षक जिले में करेंगे ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा

भिण्ड । अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) जी. जनार्दन ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को आगामी 15 दिवस में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को जिलों में सड़क दुर्घटनाओं के कारक ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा के निर्देश भी दिये हैं। श्री जनार्दन ने मंगलवार को नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी दी। एडीजी श्री जनार्दन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये खराब सड़कों की मरम्मत शीघ्रता से कराएँ, जिससे आमजन को दुर्घटनाओं से बचाया जा सके। उन्होंने स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग को स्काउट्स, एनसीसी और एनएसएस के विद्यार्थियों के लिये प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने को कहा। श्री जनार्दन ने कहा कि विद्यार्थियों को यातायात के नियमों संबंधी प्रशिक्षण दिये जाने से निश्चित ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। एडीजी ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध की गई कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया

पैसों के अभाव मरीज को नहीं मिला समय पर इलाज, मौत

- डेंगू के लक्षण देखकर चिकित्सक ने ग्वालियर कर दिया था रैफर

भिण्ड। गोहद थाना अंतर्गत एक महिला मरीज को डेंगू के लक्षण दिखने पर ग्वालियर रैफर कर दिया, परन्तु परिजनों पर पैसे का अभाव में ग्वालियर न ले जाते हुए घर ले गए जहां महिला ने दम तोड़ दिया। गोहद थाना प्रभारी गोपाल सिकरवार के मुताबिक गोहद के वार्ड क्रमांक आठ में रहने वाली रेखा पत्नी गोलू उर्फ राजेंद्र माहौर की शादी एक साल पहले हुई थी। महिला पिछले एक सप्ताह से मलेरिया से पीड़ित थी। महिला गोहद स्थित सरकारी अस्पताल में उपचार के लिए आई। गोहद अस्पताल में तैनात चिकित्सकों ने महिला की जांच कराई, जिसमें प्लेटलेट्स गिरा दिखाया। इसके बाद पीड़िता को लेकर परिजन चले गए। पीड़िता की तबियत बिगड़ी तो ससुरालियों ने गंज में स्थित एक झोलाछाप डॉक्टर से उपचार कराया। गुरुवार की शाम रेखा की तबियत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन सरकारी अस्पताल गोहद लेकर पहुंचे। यहां तैनात चिकित्सक डॉ. धीरज गुप्ता ने महिला की हालत नाजुक बताई और तत्काल ग्वालियर के लिए रेफर किया। परंतु, ससुरालियों ने पैसा का अभाव बताते हुए भर्ती कर दिया।

रात में बिगड़ी हालत तो ले गए घर

इसके बाद महिला की हालत रात के समय बिगड़ी। परिजनों छुट्टी कराकर ग्वालियर ले जाने की तैयारी करने लगे। महिला को घर लेकर पहुंचे। जब परिजन ग्वालियर की तैयारी कर रहे थे। इसी समय विवाहिता ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मायके पक्ष को दी गई। इसके बाद मायके पक्ष के लोग आए। उन्होंने रेखा की मौत पर हंगामा खड़ा कर दिया। ससुरालियों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। महिला की मौत के बाद हंगामा देखते हुए मोहल्ले वाले मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शी रमजान खान के मुताबिक पुलिस को सूचना दी गई। शाम करीब साढ़े पांच बजे पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

स्वास्थ्य विभाग नहीं मान रहा डेंगू

महिला की मौत पर पर स्वास्थ्य विभाग डेंगू जैसे लक्षणों की बात कर रहा है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ डीके शर्मा के मुताबिक महिला की प्लेटलेट्स 1 लाख के करीब थे। महिला बुखार से पीड़ित थी। परिजन निजी चिकित्सक से उपचार करा रहे थे। इसलिए हालत खराब हुई। वहीं थाना प्रभारी सिकरवार का कहना है कि महिला डेंगू से पीड़ित थी। प्लेटलेट्स को परिजन 35 हजार होना बता रहे थे।

गोवर्धन पूजा आज भी पहले से अधिक प्रासंगिक

भिण्ड। भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर में कंस के अत्याचारों से बृज को मुक्त करने के लिए उसके द्वारा भेजे गए कई राक्षसों को समाप्त किया और साथ ही पूतना राक्षसी को भी वध कर दिया। इससे समूचे बृज में भगवान कृष्ण को बृजवासी अपना आदर्श और मार्गदर्शक मानने लगे। उस वक्त पूरा बृज मण्डल अंधविश्वास से प्रेरित था और इन्द्रदेवता की पूजा करने में ही अपना कल्याण समझता था और उसे भगवान के रूप में पूजा करता था। सभी बृजवासी एक साथ पकवान बनाकर इन्द्रदेवता की पूजा करते थे और इन्द्र को ही पूज्य मानते थे। भगवान श्रीकृष्ण ने उस अंधविश्वास को मिटाने के लिए गोवर्धन पर्वत को देवता मानकर उनकी पूजा करने के लिए प्रेरित किया। अंधविश्वास एवं आशंकाओं को मिटाने के लिए सभी बृजवासियों को लेकर गोवर्धन पर्वत की पूजा कराने के लिए एकमत किया। जब यह समाचार इन्द्रदेवता तक पहुंचा तो उन्होंने क्रोधित होकर बृज को समाप्त करने के लिए अतिवृष्टि करना शुरू किया। भगवान के अद्भुत स्वरूप में जब पूरे बृजवासियों द्वारा बनाये गये पकवानों को ग्रहण कर लिया उसके बाद सभी को अतिवृष्टि से बचने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाने का आव्हान किया तो सभी लोग अपनी-अपनी ताकत लगाने लगे तभी भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर धारण कर लिया। जब लगातार सात दिन तक बारिश होने के बाद बृजवासी सुरक्षित रहे तो इन्द्रदेवता ने भगवान श्रीकृष्ण से माफी मांगी तब से आज तक गौपालन और गोवर्धन देवता की पूजा शुरू की जाती रही है। साथ ही पहाड़ों, वनस्पतियों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें देवतुल्य माना जाने लगा। आज भी जो हमें पृकति में जो परिवर्तन दिख रहा है जिसके लिए पूरी दुनिया चिंतित है यदि हम भगवान श्री कृष्ण के आदेश का अनुसरण करें। सभी पहाड़ों एवं वनस्पतियों को सुरक्षित करने का संकल्प लें और गोवर्धन देवता की पूजा आज भी उतनी ही प्रासंगिक हो सकती है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाईदूज का पर्व

भाईयों के माथे पर तिलक कर बहन ने की लम्बी आयु की कामना

भिण्ड। बहन-भाई के अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज का पर्व जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर जहां उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपने प्रेम को दर्शाया।

दीपावली के पांच पर्वो की लड़ी में शामिल भाई दूज का पर्व शनिवार को क्षेत्र में धूमधाम से मना। सुबह ही घरों में इस पर्व की धूम शुरू हो गई थी। बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना कर रही थीं और भाइयों की ओर से उन्हे उपहार भेंट किए जा रहे थे। परंपरा के अनुसार बहनों ने भाइयों को तिलक लगाने के बाद नारियल आदि भी दिए। इस पर्व पर शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति रहा जिसके माथे पर लाल रंग का तिलक न सजा हो अन्यथा सबके माथे पर लगे टीके भाई दूज पर्व की महत्ता का अहसास करा रहे थे। परिवार के जहां बड़े सदस्यों ने इस पर्व की परंपरा को निभाया वहीं छोटे-छोटे बच्चों पर भी इस पर्व का रंग खूब देखा गया। भाई दूज पर बाजारों में खासी भीड़ देखी गई। विशेषकर मिठाइयों व उपहारों की दुकानों पर लोगों की अधिक भीड़ थी। मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। दीपावली के बाद एक बार फिर से दुकानों के बाहर तरह-तरह की मिठाइयां सजी दिखाई दी और उनके खरीदारों का तांता लगा हुआ था। भाई दूज के पर्व को लेकर वाहनों में भी खासी भीड़ थी। विवाहित बहनों की ओर से भैया दूज का पर्व मनाने के लिए भाइयों के घर जाने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। सड़कों पर खासी भीड़ देखी गई। ट्रेनों में भी आम दिनों की अपेक्षा यात्रियों की संख्या अधिक थी।

सरदार पटेल जैसे लौह पुरुष की तलाश

गुजरात के खेड़ा जिले में एक किसान परिवार में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे भारत के लौह पुरुष और पहले उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल अपनी कूटनीतिक क्षमताओं के लिए भी याद किए जाते हैं। वह झावेर भाई पटेल की चौथी संतान थे। उनकी माता का नाम लाडबा पटेल था। बचपन से ही उनके परिवार ने उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया। हालांकि 16 साल में उनका विवाह कर दिया गया था पर उन्होंने अपने विवाह को अपनी पढ़ाई के रास्ते में नहीं आने दिया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और ज़िला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। अपनी वकालत के दौरान उन्होंने कई बार ऐसे केस लड़े जिसे दूसरे निरस और हारा हुए मानते थे। उनकी प्रभावशाली वकालत का ही कमाल था कि उनकी प्रसिद्धी दिनों-दिन बढ़ती चली गई। सरदार पटेल की पत्नी झावेर बा का साल 1909 में मुंबई के एक अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान निधन हो गया। उस समय सरदार पटेल अदालती कार्यवाही में व्यस्त थे, कोर्ट में बहस चल रही थी । तभी एक व्यक्ति ने कागज़ में लिखकर उन्हें झावेर बा की मौत की ख़बर दी। पटेल ने वह संदेश पढ़कर चुपचाप अपने कोट की जेब में रख दिया और अदालत में जिरह जारी रखी और मुक़दमा जीत गए। जब अदालती कार्यवाही समाप्त हुई तब उन्होंने अपनी पत्नी की मृत्यु की सूचना सबको दी।

सरदार बड़ा असरदार

गम्भीर और शालीन पटेल अपने उच्चस्तरीय तौर-तरीक़ों और चुस्त अंग्रेज़ी पहनावे के लिए भी जाने जाते थे। लेकिन गांधीजी के प्रभाव में आने के बाद जैसे उनकी राह ही बदल गई। 1917 में मोहनदास करमचन्द गांधी के संपर्क में आने के बाद उन्होंने ब्रिटिश राज की नीतियों के विरोध में अहिंसक और नागरिक अवज्ञा आंदोलन के जरिए खेड़ा, बरसाड़ और बारदोली के किसानों को एकत्र किया। अपने इस काम की वजह से देखते ही देखते वह गुजरात के प्रभावशाली नेताओं की श्रेणी में शामिल हो गए। जन कल्याण और आजादी के लिए चलाए जाने वाले आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में महत्वपूर्ण स्थान मिल गया। गुजरात के बारदोली ताल्लुका के जनमानस ने उन्हें सरदार नाम दिया और इस तरह वह सरदार वल्लभ भाई पटेल कहलाने लगे। कालांतर में राष्ट्र के लिए बड़े असरदार साबित हुए।

कश्मीर समस्या नहीं बल्कि गौरव का विषय होता

आज हम जिस विशाल भारत को देखते हैं उसकी कल्पना बिना वल्लभ भाई पटेल के शायद पूरी नहीं हो पाती। सरदार वल्लभ भाई पटेल एक ऐसे इंसान थे जिन्होंने देश के छोटे-छोटे रजवाड़ों और राजघरानों को एक कर भारत में सम्मिलित किया। उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति, नेतृत्व कौशल का ही कमाल था कि 600 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर सके। उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की वजह से ही उन्हें लौह पुरुष और सरदार जैसे विशेषणों से नवाजा गया। भारत आजाद तो हो गया था पर उसे यह आजादी पाकिस्तान की कीमत पर मिली थी। उसके सामने चुनौती थी अपनी छोटी-छोटी रियासतों को एक करने की वरना एक बड़े भारतवर्ष का सपना शायद चकनाचूर हो सकता था।

प्रशांत किशोर के कथन का अर्थ यह भी तो है ?

निर्मल रानी

चुनावी रणनीतिकार एवं राजनैतिक परामर्शदाता के रूप में अपनी पहचान बना चुके प्रशांत किशोर कुछ दिनों पहले ही तब चर्चा में आये थे जब इसी वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी से मुलाक़ात की थी। उस समय यह क़यास लगाये जाने लगे थे कि कांग्रेस के इन सर्वोच्च नेताओं के साथ प्रशांत किशोर की मुलाक़ात किसी राज्य विशेष के लिए नहीं बल्कि? संभवतः किसी %%बड़ी रणनीति% का हिस्सा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त यह अटकलें भी लगाई जाने लगीं थीं कि प्रशांत किशोर किसी भी समय कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं। यहां तक कि पार्टी में उन्हें कोई महत्वपूर्ण पद दिये जाने की भी ख़बर आने लगी थी। ख़बर यह भी थी कि राहुल और प्रियंका तो प्रशांत किशोर को %ख़ास% पद देने के लिये राज़ी हैं परन्तु पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को इस बात पर आपत्ति है। इसलिये अंतिम निर्णय सोनिया गांधी पर छोड़ दिया गया है। इसी दौरान नवज्योत सिंह सिद्धू को पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कैप्टन अमरेंद्र सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया गया इसके फ़ौरन बाद कैप्टन ने कांग्रेस को अलविदा कह दिया। उधर क्रन्तिकारी युवा नेता कन्हैया कुमार कांग्रेस में शामिल हुए। इसी के साथ ही लखीमपुर में किसानों पर भाजपाइयों द्वारा जीप चढ़ाये जाने के बाद गरमाई सियासत में प्रियंका गाँधी एक तेज़ तर्रार विपक्षी नेता के रूप में कूद पड़ीं। राजनैतिक विश्लेषक कांग्रेस में अचानक आई इस हलचल में कहीं न कहीं प्रशांत किशोर की ही भूमिका समझ रहे थे। हाँ,इन्हें विश्लेषकों के गले यह ज़रूर नहीं उतर पा रहा था कि बावजूद इसके कि प्रशांत किशोर, कैप्टन अमरेंद्र सिंह के रणनीतिकार भी थे फिर भी कैप्टन कैसे कांग्रेस छोड़ गये ?

अभी राजनैतिक फ़िज़ा में उपरोक्त चर्चायें हो ही रही थीं कि गत दिवस अचानक प्रशांत किशोर का एक नया वक्तव्य सामने आया जोकि कांग्रेस ही नहीं बल्कि पूरे विपक्ष को हतोत्साहित करने वाला भी है और आँखें खोलने का काम करने वाला भी। ग़ौरतलब है कि प्रशांत किशोर पश्चिम बंगाल के पिछले विधान सभा के चुनाव के दौरान ममता बनर्जी के रणनीतिकार व सलाहकार थे। भाजपा ने बंगाल फ़तेह करने के लिये अपने सभी हथकंडे इस्तेमाल किये और बेपनाह पैसे भी ख़र्च किये। उसके बावजूद प्रशांत किशोर की रणनीति व ममता बनर्जी की लोकप्रियता ने भाजपा को धूल चटा दी। ख़बर है कि इस विजय से प्रभावित होकर ममता बनर्जी ने प्रशांत किशोर की संस्था आई पैक से अपना क़रार 2026 तक बढ़ा लिया है। और चूँकि उनका हौसला बुलंद है और अब उनकी नज़र दिल्ली के सिंहासन पर है इसलिये वे बंगाल से बाहर भी अपने संगठन का विस्तार कर रही हैं। गोवा में फ़रवरी 2022 में विधान सभा चुनाव हैं और तृणमूल कांग्रेस 40 सीटों वाली गोवा में चुनाव लड़ने जा रही है। इसी सिलसिले में गत दिनों ममता बनर्जी ने गोवा में सभायें कीं और प्रशांत किशोर ने भी तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को %गुरु मन्त्र % दिये। इसी दौरान उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बातें भी कहीं। प्रशांत ने कहा कि - 'इस जाल में बिल्कुल मत फंसिए कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नाराज़ हैं और उन्हें सत्ता से बाहर कर देंगे। हो सकता है लोग मोदी को सत्ता से बाहर कर भी दें, लेकिन भाजपा अभी कहीं नहीं जा रही है। आपको इससे अगले कई दशकों तक लड़ना होगा। इस बयान के बाद उन्होंने % एक अंग्रेज़ी अख़बार को दिए साक्षात्कार में कहा कि भाजपा भारतीय राजनीति में

दशकों तक सत्ता के केंद्र में बनी रहेगी। उन्होंने राहुल गांधी के बारे में कहा कि वह जैसा समझते हैं वैसा होने वाला नहीं है। शायद उन्हें (राहुल गांधी को) लगता है कि बस कुछ समय में लोग नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटा देंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि जब तक आप मोदी की ताक़त का अंदाज़ा नहीं लगा लेते, आप उन्हें हराने के लिए कभी भी काउंटर नहीं कर पाएंगे । ज़्यादातर लोग उनकी ताक़त को समझने में समय नहीं लगा रहे हैं। जब तक आप यह ना समझ जाएं कि ऐसी कौन सी चीज़ है जो उन्हें लोकप्रिय बना रही है तब तक आप उनको काउंटर नहीं कर पाएंगे।

प्रशांत के इस बयान के बाद %गोदी मीडिया% मोदी को अपराजेय और राहुल को कमज़ोर बताने लगा। प्रशांत किशोर के इस आंकलन को ले उड़ने वाला यही मीडिया बंगाल में प्रशांत किशोर के उस अनुमान का मज़ाक़ उड़ाता था जिसमें वे कहते थे कि भाजपा सौ सीटें भी नहीं ले सकेगी। बहरहाल प्रशांत किशोर के इस कथन के बाद कि %भाजपा अगले कई दशकों तक कहीं नहीं जाने वाली%, कांग्रेस की ओर से एक अप्रत्यषित प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस आईटी सेल के प्रमुख रोहन गुप्ता ने ट्विटर पर प्रशांत किशोर का एक चित्र शेयर करते हुए लिखा है कि %प्रशांत किशोर कांग्रेस में पद पाने की गुहार लगा रहे थे और जब नहीं मिला तो फिर भाजपा की तारीफ़ करना शुरू कर दिया। गुप्ता ने यहाँ तक लिखा कि एक और भक्त का मुखौटा उतरा गया है%। इससे यह ज़ाहिर हो गया है कि कांग्रेस और प्रशांत किशोर क़रीब आते आते फिर दूर हो गये हैं।

परन्तु प्रशांत किशोर के कथन को यदि मान भी लिया जाये तो क्या राहुल गाँधी या कांग्रेस ही अकेले इस स्थिति के लिये ज़िम्मेदार है ? प्रशांत किशोर जो कह रहे हैं वही बातें अरुण शौरी और यशवंत सिन्हा पहले कहते रहे हैं। कहने को तो ममता बनर्जी भी राष्ट्रीय विपक्षी एकता की बात करती रही हैं। परन्तु साथ साथ कांग्रेस नेताओं को तोड़कर अपने साथ जोड़ने के अलावा गोवा के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश व पूर्वोत्तर के कई राज्यों में अपने दल का विस्तार भी कर रही हैं।ज़ाहिर है उनके इस क़दम से भी जहाँ कांग्रेस को नुक़सान होगा वहीं इसका सीधा लाभ भाजपा को ही मिलेगा। इसी तरह धर्मनिरपेक्षता की दुहाई देने वाले नितीश कुमार महज़ अपनी निजी महत्वाकांक्षा के लिये भाजपा की गोद में जा बैठे हैं। अखिलेश यादव को डर है कि कहीं कांग्रेस को साथ लेने से उनका जनाधार कम न हो जाये और उनकी मुख्य मंत्री की कुर्सी खटाई में न पड़ जाये ,ओवैसी अपनी अलग डफ़ली बजा रहे हैं। लालू यादव को देश व लोकतंत्र बचाने से बड़ी चिंता अपनी राजनैतिक विरासत स्थापित करने की है। मायावती सिर्फ़ सत्ता के लिये कभी बहुजन तो कभी सर्वजन का राग अलापने लगती हैं। भाजपा को मज़बूती प्रदान करने के यह सब कारण भी तो हैं ? इनके लिये अकेले राहुल गाँधी या कांग्रेस को ज़िम्मेदार ठहराना क़तई मुनासिब नहीं। रशांत किशोर के कथन का अर्थ यह भी तो है कि लोकतंत्र,देश,संविधान तथा संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करने लिये सभी धर्मनिरपेक्ष व तथाकथित धर्मनिरपेक्ष शक्तियों को अपना व अपने दलों का निजी नफ़ा नुक़्सान सोचे बिना संगठित होने की ज़रुरत है।

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई। इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहू की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

एनजीटी की फटकार

सिद्घार्थ शंकर

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए करीब तीस साल पहले गंगा कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस योजना के तहत अब तक अरबों रुपए खर्च किए जा चुके हैं पर स्थिति यह है कि गंगा दिन पर दिन गंदी ही होती गई है। मौजूदा सरकार ने गंगा नदी की सफाई के लिए एक अलग से मंत्रालय तक गठित किया। गंगा को राष्ट्रीय नदी का दर्जा दिया गया है। पर इसकी सफाई को लेकर सरकारें कितनी संजीदा हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एनजीटी के जवाब तलब करने पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यानी एनएमसीजी ने हलफनामा दायर करके बताया कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सरकारों ने समुचित जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई हैं, जिससे दूसरे और तीसरे चरण यानी कानपुर से बक्सर और फिर बक्सर से गंगासागर तक की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार करने में काफी मुश्किलें आ रही हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने इसके लिए एनएमसीजी को फटकार लगाई है। इसके साथ ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश

सरकार को निर्देश दिया है कि वे प्रमुख स्थलों पर गंगा जल की गुणवत्ता की जानकारी को अब हर महीने सार्वजनिक करें। राष्ट्रीय हरित अधिकरण इस तरह की फटकार पहले भी कई मौकों पर लगा चुका है, मगर राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के कार्य-व्यवहार में किसी तरह का खास बदलाव नजर नहीं आया है। हालांकि, हरित अधिकरण ने अपने ताजा निर्देश में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि एनएमसीजी का गठन गंगा नदी के कायाकल्प के लिए ही किया गया है और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ समन्वय उसकी जिम्मेदारी है। अब उसे कोई टाल-मटोल नहीं सुननी। अगर अगले माह तीस अप्रैल तक गंगा कार्ययोजना की रूपरेखा पेश नहीं की गई तो वह सख्त कदम उठाने को भी बाध्य होगा। इसके लिए संबंधित दोषी राज्य सरकारों को पर्यावरण क्षति का भुगतान करना पड़ सकता है। देखना है, अधिकरण के इस सख्त रुख का राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों पर कितना और कैसा

असर पड़ता है। प्रयाग में कुंभ के दौरान गंगा नदी में मिलने वाली गंदगी को रोकने में बड़ी कामयाबी देखी जा चुकी है। हरित अधिकरण ने कहा है कि प्रयाग में आजमाए गए तकनीकी उपायों का अध्ययन कर इस अभियान में लगे विशेषज्ञों से भी परामर्श लिया जा सकता है। दरअसल, राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नदियों की सफाई को लेकर कभी गंभीर नहीं दिखे। इसमें उनके टाल-मटोल भरे रवैए की कुछ वजहें दूसरी भी हो सकती हैं। गंगा नदी की सफाई के लिए उन्हें न सिर्फ यह बताना होगा कि कहां-कहां किन स्रोतों से कचरा गंगा नदी में आकर मिलता है, बल्कि उन स्रोतों को बंद कराने में भी सक्रिय भागीदारी करनी होगी। छिपी बात नहीं है कि गंगा के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण शहरों के रिहायशी इलाकों से निकलने वाले जल-मल और औद्योगिक इकाइयों के रासायनिक कचरे को बिना शोधित किए गंगा नदी में गिरने देना है। औद्योगिक इकाइयों को कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि वे बिना शोधन के औद्योगिक कचरा नदियों में न मिलने दें। इसी तरह शहरी जल-मल के शोधन के लिए जगह-जगह जल-मल शोधन संयंत्र लगाए जाने चाहिए। मगर बड़ी औद्योगिक इकाइयों की राजनीतिक और प्रशासनिक नजदीकी की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आंखें बंद किए रहते हैं। इसी तरह गंगा के तटों पर किए गए अतिक्रमण हटाने को लेकर मुश्किलें हैं। समझना मुश्किल है कि गंगा जैसी नदियों, जो लोगों की आस्था से जुड़ी हैं, उनमें कचरा मिलने से रोकना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है। यह काम काफी पहले हो जाना चाहिए था। गंगा नदी की सफाई को लेकर राज्य सरकारें किस हद तक उदासीन हैं, इसका पता क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के एक सर्वे से चल जाता है। सर्वे के मुताबिक, देश के 97 में से 66 कस्बों का कम-से-कम एक नाला गंगा नदी में खुलता है। इनमें से 31 पश्चिम बंगाल में ही थे। गंगा की सबसे बुरी हालत पश्चिम बंगाल में है। पश्चिम बंगाल में गंगा से सटे करीब 40 कस्बों के 78 फीसदी नाले सीधे नदी में गिरते हैं। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है, जहां गंगा के किनारे स्थित 21 कस्बों के नाले का पानी गंगा नदी में गिरता है।

रियासतों के विलय में महान योगदान रहा सरदार बल्लभ भाई पटेल का!

सूडोकु नवताल- 5884 ★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5883 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

आजादी से पहले अंग्रेजों को भारत से भगाने और आजादी के बाद देश की रियासतों को मिलाकर अखण्ड भारत बनाने में सरदार बल्लभ भाई पटेल का बड़ा योगदान रहा है।इसीलिए

सरदार बल्लभ भाई पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। देश का पहला गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 600 छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया था। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से सरदार पटेल का इसमें विशेष योगदान था।

नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारंभिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। सरदार पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था।

सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त सन1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थीं।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य जनक तथ्य है।जिसे भारत की रक्तहीन क्रांति नाम दिया जा सकता है। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त सन 1947 के कई दिनों बाद मिली।हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए थे। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा था।

सरदार पटेल के द्वारा किये गए कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की स्थापना आदि कार्य गिने जा सकते हैं।वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर सन 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। 16 वर्ष की आयु में ही उनका विवाह हो गया था। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर उन्होंने वकालत की ।

वे पांच भाई व एक बहन थे। वकालत के पेशे में पढाई के लिए अगस्त सन 1910 में उन्होंने लंदन की यात्रा भी की। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा बनाया। उन्होंने देश के लोगो को राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा था। सरदार बल्लभ भाई पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार कांग्रेस के अध्यक्ष नही बन पाए।फिर भी उनका कद अध्यक्ष से कही बड़ा था।

पाक और चीन क्यों बिदक रहे हैं?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह खुशी की बात है कि अफगानिस्तान को लेकर हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित दोभाल ने अच्छी पहल की है। उन्होंने पाकिस्तान, चीन, ईरान, रूस और मध्य एशिया के पांचों गणतंत्रों के सुरक्षा सलाहकारों को भारत आमंत्रित किया है ताकि वे सब मिलकर अफगानिस्तान के संकट से निपटने की साझा नीति बना सकें। इन देशों की यह बैठक 10 से 13 नवंबर तक चलनी है। जाहिर है कि हर देश के अपने-अपने राष्ट्रहित होते हैं। इसीलिए सब मिलकर कोई एक-समान नीति पर सहमत हो जाएं, यह आसान नहीं है लेकिन पाकिस्तान और चीन का रवैया अजीबो-गरीब है। चीन ने तो अभी तक नहीं बताया है कि इस बैठक में वह अपना प्रतिनिधि भेज रहा है या नहीं? पाकिस्तान उससे भी आगे निकल गया है। उसके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद युसूफ ने दिल्ली आने से तो मना कर ही दिया है लेकिन उन्होंने एक ऐसा बयान दे दिया है, जो समझ के बाहर है। युसूफ ने कह दिया है कि ''भारत तो कामबिगाड़ू है। वह शांतिदूत कैसे बन सकता है।'' युसूफ ज़रा बताएं कि भारत ने अफगानिस्तान में कौनसा काम बिगाड़ा है? पिछले 50-60 साल से तो मैं अफगानिस्तान के गांव-गांव और शहर-शहर में जाता रहा हूं। वहां के सारे सत्तारुढ़ और विरोधी नेताओं से मेरा संपर्क रहा है। आज तक किसी अफगान के मुंह से मैंने ऐसी बात नहीं सुनी जैसी युसूफ कह रहे हैं। भारत ने पिछले 5-6 दशकों और खासकर पिछले 20 साल में वहां इतना निर्माण-कार्य किया है, जितना किसी अन्य देश ने नहीं किया है। अब भी भारत 50 हजार टन गेहूं काबुल भेजना चाहता है लेकिन पाकिस्तान उसे काबुल तक ले जाने के लिए सड़क का रास्ता देने को तैयार नहीं है। भुखमरी के शिकार हो रहे अफगानों की नज़र में पाकिस्तान की छवि उठेगी या गिरेगी? पाकिस्तान अपना नुकसान खुद कर रहा है। वह लाखों अफगानों को मजबूर कर रहा है कि वे पाकिस्तान में आ धमकें। यह ऐसा दुर्लभ मौका था, जिसका लाभ उठाकर भारत से पाकिस्तान लंबी और गहरी बात शुरु कर सकता था। कश्मीर तथा सर्वाधिक अनुग्रहीत राष्ट्र जैसे मुद्दों पर भी बात शुरु हो सकती थी। भयंकर आर्थिक संकट से जूझता पाकिस्तान इस मौके को हाथ से क्यों फिसलने दे रहा है ? जहां तक चीन का सवाल है, यदि वह इस बैठक में भाग नहीं लेगा तो वह पाकिस्तान का पिछलग्गू कहलाएगा। महाशक्ति कहलवाने की उसकी छवि भी विकृत होगी।

लीला मेला में उमड़ी भीड़, श्रद्धालुओं ने दाऊजी मंदिर में दर्शन कर मेले में उठाया लुफ्त

मुरैना। प्राचीन काल से मुरैना गांव दाऊजी के मंदिर प्रांगण में दीपावली के दूसरे दिन से ही लीला मेला का शुभारंभ हो जाता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण साढ़े तीन दिन के लिए मुरैना गांव में मेहमान बनकर आते है और यह मेला उनके आगमन पर उत्सव के रूप में लगाया जाता है। इस वर्ष भी मेले का शुभारंभ दीपोत्सव पर्व के उपरांत पड़वा के दिन हो गया यहां लोग कई प्रतियोगिता का आयोजन भी करते हैं तथा कई पंचायती निर्णय भी यहां सुनाये जाते हैं। इसके बाद भगवान की एक झांकी बैण्ड बाजों के साथ निकाली जाती है। यह भी कहा जाता है कि पिछले 15 दिनों में यहां किसी न किसी स्वामी परिवार में बालक का जन्म होता है वह बालक कृष्ण का रूप लेकर दर्शन के लिए आता है। लोग उत्साह पूर्वक दर्शन करते हैं। मेले में भारी संख्या में ग्रामीण लोग एकत्रित होते हैं। मेले के दौरान दिन में कभी दंगल तो कभी घुडसवारों की दौड़ होती है रात में ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए नोटंकी रामलीला, कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है। मेला के दूसरे दिन भाईदूज को महिला और पुरूषों की भारी संख्या में भीड उपस्थित थी। लीला मेले में खेती किसानी के काफी उपयोगी यंत्र भी मिलते हैं। पशु पालन करने वालों को भी काफी सामग्री यहां उपलब्ध हो जाती है। यह मेला एक हफ्ते तक चलता है। हालांकि निगम आयुक्त ने लीला मेला नहीं लगने के आदेश जारी किए थे, किन्तु एक बार पुनः प्रशासन के आदेश पर श्रद्धा भारी पडी। प्रशसन के निर्देश के विरूद्ध लीला मेला भरा और जनता भी भारी संख्या में प्रभु दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान लोंगो ने लीला मेले का लुत्फ भी उठाया।

उल्लेखनीय है कि ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण साढे तीन दिन के लिए द्वारिकाधीश मंदिर गुजरात से मुरैना गांव स्थित दाऊजी मंदिर में पधारते हैं। खासबात यह है कि द्वारिकाधीश मंदिर में भी बाकायदा तख्ती पर लिखकर टांग दिया जाता है कि भगवान द्वारिकेश मुरैना गांव में विराज रहे हैं। भगवान श्रीकृष्ण द्वारिकाधीश से साढ़े तीन दिन के प्रवास की ये कहानी है कि, करीब 700 बर्ष पहले मुरैना के भक्त गोपीराम भगत ने मुरैना से कनकदण्डवत कर द्वारिका तक की यात्रा की थी जिससे भगवान ने प्रसन्न होकर उन्हें यह आशीर्वाद दिया था कि वह दिवाली की पडवा से आधी चतुर्थी तक मुरैनागांव में मेहमानी करेंगे। मुरैना गांव मंदिर में भगवान श्री दाऊ महाराज के नाम से जाने जाते हैं उनके भक्त गोपी राम भगत घर में सबसे बड़े थे और सब उन्हें प्यार से दाऊ कहते थे इसलिए उनके मंदिर का नाम भी दाऊ महाराज का मंदिर पड़ा और श्रीकृष्ण ने उन्हें यह वरदान दिया कि निवास तो मैं करूंगा पर तुम्हारे नाम से जाना जाऊंगा।

बहिन ने भाई को तिलक कर मनाई भाईदूज

मुरैना। दीपावली का पर्व धनतेरस से आरंभ होता है और भाईदूज पर बहिन भाई के प्यार के साथ संपन्न होता है। भाईदूज के अवसर पर बहिन अपने भाई को तिलक कर विजय श्री का आशीर्वाद देती है और भाई बहिन की रक्षा का प्रण लेता है। भाईदूज के अवसर पर जिलेभर में भाई बहिन का प्यार जहां देखने को मिला, वहीं जिला जेल में भी बंद कैदियों से मिलने प्रत्येक भाई की बहिन पहुंची और उन्होंने अपने भाई की मंगलकामना की प्रार्थना करते हुए तिलक लगाकर विजयश्री का आशीर्वाद दिया। भाईदूज के अवसर पर जिला जेल में काफी भीड़ रही। इस अवसर पर जेल प्रबंधन द्वारा बहनों के लिये कई इंतजाम किये गये और जेल सुरक्षा कर्मियों ने कैदी भाईयों से मिलने आई बहिनों द्वारा लाये गये सामान की जांच कर उनके कैदी भाईयों को टीका लगाने व मिठाई खिलाने में मदद की। इस दौरान जेल में पुरूषों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहा।

मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया से बचाव हेतु जानकारी व अपील

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एडी शर्मा ने आमजनों से अपील कि है कि मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव हेतु मच्छरों की वृद्धि रोकने अपने घर व आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें। पात्रों में भरा पानी सप्ताह में एक बार अवश्य खाली करें, साथ ही मच्छरों से बचाव करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, इसके साथ ही पूरी आस्तीन के कपडे पहने। मच्छर भगाने वाले साधन जैसे- क्रीम, क्वाइल, रिपलेन्ट इत्यादि का उपयोग करें। टायर, कबाड सामान ढंक्कर रखें इनमें पानी इकट्ठा नहीं होने दें। बुखार आने पर तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करायें। डॉ. शर्मा ने बताया कि वर्षाकाल में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाता है तथा हमारे घर व आसपास पानी के कन्टेनर व कबाड सामान, टायर, टंकी, गमले, मटके, गमले, कूलर आदि में जमा पानी में मच्छर अंडे देकर वृद्धि करते हैं। जिनके काटने से मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया बीमारी फैलने की संभावना होती है। ऐसे जलपात्रों में भरे पानी को सप्ताह में एक बार अवश्य खाली करें। ताकि इनमें पनप रहे मच्छर के लार्वा नष्ट हो जाए व मच्छरों की वृद्धि रुक जाए। मच्छर से फेलने वाले मलेरिया रोग में सामान्यतः बुखार, कमजोरी, हाथ पैर में दर्द, उल्टी आना जैसे लक्षण हो सकते है तथा डेंगू, चिकुनगुनिया बीमारी संक्रमित व्यक्ति में सामान्यतः बुखार, सिर व आंखों में दर्द, हाथ पैर में दर्द, उल्टी आना, शरीर पर चकत्ते आना जैसे लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में मरीज को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क खून जाँच व स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिये तथा चिकित्सीय परामर्श से दवा का पूर्ण सेवन करना चाहिये। डेंगू व चिकुनगुनिया की जांच जिला चिकित्सालय मण्डला में उपलब्ध है। वर्षाकाल के दौरान मच्छरों से फेलने वाली वाहक जनित बीमारी मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया से बचाव के लिये फील्ड में कार्यरत अमला ग्राम में लार्वा सर्वे व बुखार के रोगियों की जांच कर रहा है।

तीर्थंकर भगवान के माता पिता की गोद भराई की रस्म हुई

अम्बाह। श्री भगवान महावीर जिनालय पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के तत्वावधान में पूरन चंद जैन के आवास पर तीर्थंकर भगवान के माता -पिता की गोद भराई की रस्म पूरी की गई। ज्ञात रहे कि नगर में 60 साल बाद आयोजित होने जा रहे पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान तीर्थंकर के माता-पिता बनने का सौभाग्य सुमतिचन्द जैन, श्रीमती कपूरी देवी जैन को प्राप्त हुआ। इस मौके पर जैन समाज की महिलाओं ने भजन कीर्तन के साथ मंगल गीत गाए। साथ ही नारियल, काजू, बादाम, किशमिश और सेब से भगवान के माता-पिता की गोद भराई की रस्म पूरी की। इस मौके पर अशोक जैन एडवोकेट, अंतराम जैन, मुरारी लाल जैन,राकेश जैन भंडारी, नरेश चंद जैन, महेश चंद जैन, कुलदीप जैन, पवन जैन,विमल जैन राजू, बिल्लू जैन,संतोष जैन, रितेश जैन बंटी, राहुल जैन, कपिल जैन, संजू जैन, सहित अनेक लोग उपस्थित थे। जैन समाज के अशोक जैन एडवोकेट ने बताया कि 23 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले पंच कल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। महोत्सव के सफल आयोजन के लिए कमेटियों का गठन किया है।

प्रशासन व पुलिस का पत्रकारों के साथ सदभावना क्रिकेट मैच आज

मुरैना। दीपोत्सव के पावन पर पर्व पर सदभावना के लिये क्रिकेट मैच का आयोजन आज किया जा रहा है। यह मैच टीएसएस स्कूल के खेल मैदान पर 7 नवबंर 2021 रविवार की सुबह 8 बजे से होगा। इसमें प्रशासन, पुलिस की टीम की पत्रकार एकादश से भिंडत होगी। यह सदभावना मैच पूर्व में भी आयोजित होते रहें हैं। हालांकि यह मैच लंबे अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है जिसे लेकर दोनों दल वेहद उत्साहित है। दोनों तरफ से अंतिम 11 खिलाडियों की घोषणा मैच प्रारंभ होने से पूर्व की जायेगी। खेल मैदान पर भी व्यवस्थाओं को देर शाम तक अंतिम रूप दिया गया था। यह मैच 20-20 ओवर का खेला जायेगा। विजयी दल तथा खेल में उत्कृष्ट प्रर्दशन करने वाले सभी खिलाडियों को पुरूस्कृत किया जायेगा ।

10 मृतकों के परिजनों को 15-15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुरैना। अनुविभागीय अधिकारियों की ओर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 10 मृतकों की सडक दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके वैधवारिसों को कलेक्टर बी कार्तिकेयन ने 15-15 हजार रूपये आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। कलेक्टर श्री कार्तिकेयन ने बताया कि कृपाराम का पुरा मौजा मदनबसई निवासी विजेन्द्र सिंह पुत्र रामनाथ सिंह गुर्जर की मृत्यु 25 नवम्बर 2020 को सडक दुर्घटना में हो गई थी। इस संबंध में उनकी वैधवारिस पत्नि श्रीमती गुड्डीबाई को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। इसी प्रकार ग्राम रजौधा निवासी सौरभ पुत्र दामोदर धाकड की मृत्यु 12 अक्टूबर 2020 को सडक दुर्घटना में हो गई थी। मृतक की वैधवारिस पत्नि श्रीमती सुनीता धाकड को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। जिनावली थाना माता बसैया निवासी पंजाब सिंह पुत्र बाबू सिंह गुर्जर की मृत्यु 28 मार्च 2021 को हुई थी, इनकी वैधवारिस मां रामबेटी को 15 हजार रूपये, माताबसैया निवासी भंवर सिंह उर्फ शनि पुत्र राजेन्द्र सिंह गुर्जर की मृत्यु 30 मार्च 2020 को हुई थी, इनके पिता राजेन्द्र सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह को 15 हजार रूपये, मगरोनी तहसील नरवर जिला शिवपुरी निवासी नीरज पुत्र नारायणसिंह जाटव की मृत्यु 4 मार्च 2021 को हुई थी, इनकी वैधवारिस मां भागोबाई को 15 हजार रूपये, ग्राम पंचायत बुधारा तहसील पोरसा निवासी सहदेव पुत्र रामप्रकाश सखवार की मृत्यु 26 जून 2021 को हुई थी, इनकी वैधवारिस पुत्री सुषमा को 15 हजार रूपये, ग्राम बघेल निवासी अमन पुत्र लोकेन्द्र सिंह त्यागी की मृत्यु 4 दिसम्बर 2020 को हुई थी, इनके वैधवारिस पिता लोकेन्द्र सिंह को 15 हजार रूपये, अशोक गली कैलारस निवासी प्रदीप पुत्र गिर्राज शर्मा की मृत्यु 25 दिसम्बर 2020 को हुई थी, इनके वैधवारिस पिता गिर्राज शर्मा को 15 हजार रूपये, ग्राम भिलसैया निवासी बंटी पुत्र विष्णू जाटव की मृत्यु 4 दिसम्बर 2020 को हुई थी, इनकी वैधवारिस पत्नि महादेवी जाटव को 15 हजार रूपये और गंगापुर कोर्ट सिरथरा कैलारस निवासी भारत कुशवाह पुत्र कमल सिंह की मृत्यु 3 अक्टूबर 2019 को हुई थी, इनकी वैधवारिस पत्नि पूनम कुशवाह को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सहायता राशि सामाजिक सुरक्षा कल्याण कार्यक्रम के तहत दी गई है।

दिव्यांगों को बस किराये में मिलेगी 50 प्रतिशत की छूट

मुरैना। मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 24 नवम्बर 2016 द्वारा प्रावधानित किया गया है कि समस्त प्रकार की बस सेवाओं में विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों को सक्षम अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। दिव्यांगजन प्रमाण पत्र के लिए स्वयं या संबंधित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से परिवहन कार्यालयों में आवेदन देने पर प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। प्रमाण पत्र के आधार पर 50 प्रतिशत किराये की छूट बस सेवाओं द्वारा दी जायेगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा यूनिक आईडी फार बिथ डिसएबेल्टीज (यूडीआईडी प्रोजेक्ट) चलाया जा रहा है।

सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाएं, घर-घर में खुशहाली लाएं

मुरैना। सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाएं घर-घर में खुशहाली लाएं की अवधारणा के साथ भारत सरकार द्वारा बेटी बचाओ एवं बेटी पढाओ के तहत बालिकाओं की उच्च शिक्षा तथा विवाह हेतु व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह योजना शुरू की गई है। इस योजना के अन्तर्गत जन्म से लेकर 10 वर्ष की आयु तक की बेटियों का खाता खुलवाया जा सकता है, जमाकर्ता बेटी के नाम से एक ही खाता खोल सकता है। यदि माता-पिता या संरक्षक दो बेटियों के अलग-अलग एक खाता खोल सकते हैं, यदि जुडवा बेटियां है तो जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर तीसरा खाता भी खोला जा सकता है, यह खाता एक वित्तीय वर्ष में 250 रूपये से शुरू किया जा सकता है। बच्ची की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने पर सुकन्या समृद्धि खाता में जमा राशि का 50 प्रतिशत राशि निकाला जा सकता है। बेटी की उम्र 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाता परिपक्व होगा, बालिका का विवाह 18 वर्ष के बाद या 21 वर्ष के पहले होता है तो खाता बंद कर दिया जाएगा और ब्याज सहित समस्त रकम दे दी जाएगी। इसी प्रकार इस योजना से आयकर में छूट का लाभ भी मिलता है और देश के किसी भी हिस्से में स्थानातांरित किया जा सकता है।

अचानक धसका खरंजा, निकली सुरंग, अधिकारी जुटे जांच में

मुरैना। माता बसैया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जीगनी में गोवर्धन पूजा के दिन दोपहर के समय अचानक नाली में विस्फोट सा हुआ और खरंजा धसक गया। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर दौड़े तो देखा वहां नाली के अंदर एक सुरंग निकल बैठी। देखते ही देखते सुरंग मिलने की अफवाह जीगनी से लेकर पूरे जिले में फैल गई। देर रात्रि को प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, लेकिन अंधेरा होने के कारण किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सके और सुबह फिर से उसकी जांच में जुट गए। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर को गांव के लोग गोवर्धन पूजा में व्यस्त थे, तभी गांव के भीतर जाने वाले एक रास्ते पर जहां घर बना हुआ है, वहां स्थित नाली में धमाका हुआ और मिट्टी धसक गई। थोड़ी ही देर बाद दूसरा धमाका हुआ तो खरंजा लटक गया। ग्रामीण मौके पर दौड़े तो देखा कि नाली में सुरंग बन गई और देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना देर शाम को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मिली तो वह मौके पर पहुंचे, लेकिन रात होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। शनिवार की सुबह पंचायत के सरपंच, सचिव, तहसीलदार एवं पुलिस जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची तथा सुरंग के मौके मायने में जुट गए। मौके पर पुरातत्व अधिकारी अशोक शर्मा भी पहुंचे। श्री शर्मा ने संभावना व्यक्त की है कि पुराने लोग प्राचीन काल में अनाज को छुपाने के लिए इस प्रकार के भंडार ग्रह बनाया करते थे, हो सकता है वह उसी समय का हो। लंबे समय से नाली का पानी बह रहा है।

प्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी ने जिला महामंत्री स्वर्गीय श्री शरद गौतम के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की

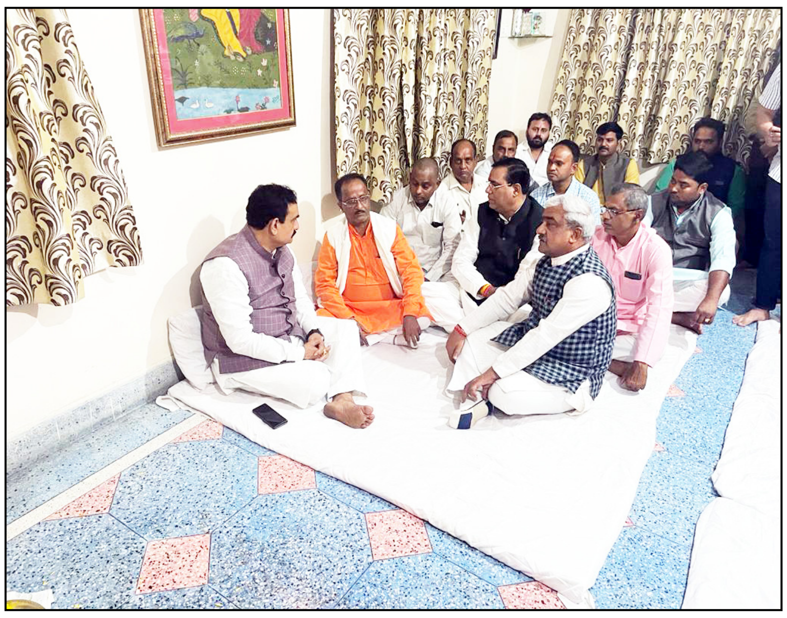

ग्वालियर। मध्य प्रदेश सरकार के ग्रह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी आज ग्वालियर प्रवास के दौरान रात्रि 8-45 बजे ग्वालियर महानगर भाजपा महामंत्री स्वर्गीय श्री शरद गौतम के असामयिक निधन पर उनके निवास पर पहुंचे और परिजनों पत्नी श्रीमती प्रतिभा गौतम पुत्र आदि गौतम से भेंट की सर्वप्रथम श्री मिश्रा ने स्वर्गीय श्री गौतम की तस्वीर पर माल्यार्पण किया एवं अपनी ओर से श्रद्धांजलि व्यक्त की /

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अशोक जैन भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष श्री देवेश शर्मा भाजपा जिला ग्वालियर ग्रामीण महामंत्री श्री दीपक माहौर भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री रामेश्वर सिंह भदोरिया भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विवेक चौहान भाजपा नेता श्री सुभाष शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे।

पद्मश्री डॉ. एसएन सुब्बाराव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा

7 नवम्बर को प्रेस क्लब में आयोजित

ग्वालियर । चंबल को डकैतों से मुक्त कराने वाले गांधीवादी विचारक पद्मश्री डॉ. एसएन सुब्बाराव के निधन पर रविवार 7 नवंबर 2021 को ग्वालियर प्रेस क्लब परिसर फूलबाग में प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धांजलि सभा भाई जी के साथ बिताए हुए पलों को साझा किया जायेगा । आपको बता दें कि गांधीवादी स्व डॉक्टर एस एन सुब्बाराव जिन्होंने चंबल क्षेत्र में शांति और अहिंसा के लिए लंबे समय तक कार्य किया उन्होंने सन् 1972 में 572 बागियो का आत्म समर्पण करने ने अहम भूमिका निभाई जिससे क्षेत्र में शांति बहाली हुई उनके इस प्रयास को पूरे देश मे शन्ति के प्रयास का सफल प्रयोग रहा गांधी के चरणों में बंदूकों का समर्पण पूरे देश के लिए ऐतिहासिक था डॉक्टर एसएन सुब्बाराव का स्वर्गवास 27 अक्टूबर 2021 जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में हुआ उनके शांति और अहिंसा के प्रयास चंबल संभाग कभी भुला नहीं सकता इसी तारतम्य दिनांक 7 नवंबर 2021 प्रेस क्लब सर्वोदय समाज परिषद एकता परिषद जल जन जोडो अभियान मातृभूमि सेवा मिशन खादी भंडार ग्वालियर के द्वारा संकल्प श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। शहर के समस्त भाई जी से जुड़े व्यक्तियों को सादर पूर्वक श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित है।

केदारनाथ धाम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की मन की बात

ग्वालियर में 4 प्रमुख शिवालयों पर किया गया सीधा प्रसारण

ग्वालियर। गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केदारनाथ धाम में भगवान श्री केदारनाथ के दर्शन कर वहीं से देशवासियों को संबोधित करते हुए मन की बात की। प्रधानमंत्री की मन की बात का सीधा प्रसारण ग्वालियर में चार प्रमुख शिवालयों पर किया गया। जिसमें ग्वालियर के कोटेश्वर मंदिर पर आयोजित सीधा प्रसारण कार्यक्रम में प्रदेश की खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, भितरवार स्थित धूमेश्वर मंदिर पर प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, घाटीगाँव स्थित नलकेश्वर महादेव

मंदिर पर क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं ग्वालियर के अचलेश्वर मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात शिवालयों पर ब?ी संख्या में उपस्थित होकर लोगों ने सुनीं। कोटेश्वर मंदिर पर आयोजित समारोह में ब?ी स्क्रीन पर लोगों ने मन की बात सुनी। इसके साथ ही अन्य शिवालयों पर भी जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने प्रधानमंत्री की बात को सुना।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कोटेश्वर मंदिर पहुँचकर पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने धूमेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और सांसद श्री शेजवलकर व पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया ने भी मंदिर पर सर्वप्रथम पहुँचकर पूजा अर्चना की और मन की बात कार्यक्रम में भाग लिया।

दिवाली पर 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2548 वें निर्वाण एवं गौतम गणधर स्वामी के केवल ज्ञान महोत्सव आयोजित हुआ

पावापुरी तीर्थ के जलकुंड मंदिर में भक्तिभाव से निर्वाण लड्डू समर्पित किया

जैन तीर्थ पावापुरी मंदिर में भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव पर लड्डू चढ़ाने के उमड़े श्रध्दालु

ग्वालियर-- कार्तिक अमावस्या दिवाली पर 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2548 वें निर्वाण महोत्सव एवं शाम को गौतम गणधर स्वामी के केवल ज्ञान महोत्सव पर वात्सल्य सरोवर राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज, मुनिश्री विजयेश सागर महाराज, मुनिश्री विनिबोध सागर महाराज एवं ऐलक श्री विनियोग सागर महाराज के मंगल सानिध्य में अभूतपूर्व वर्षायोग समिति व जैन मिलन ग्वालियर के तत्वावधान में नई स?क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में भगवान महावीर स्वामी की मोक्ष स्थली पावापुरी जलकुंड मंदिर की भव्य रचना कर निर्वाण लाडू चढ़ाने व देखने के लिए धर्मावलंबियों का आस्था का हुजूम उमड़ पडा।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पंडित सुनील भंडारी ने मंगलाष्टक के बाद पीले वस्त्रों में इंद्रो ने भगवान महावीर स्वामी का 108 रिद्धि मंत्रों से अभिषेक जयकारों के साथ किया। मुनिश्री ने अपने मुख्यबिंद से मंत्रो का उच्चारण कर अनिल कुमार ने भगवान की शान्तिधारा की। मुनिश्री के चरणों मे श्री फल वर्षायोग कमेटी के डॉ वीरेंद्र गंगवाल, महेंद्र टोंग्या, प्रवीण गंगवाल, विनय कासलीवाल, अध्यक्ष योगेश बोहरा, आशीष जैन, मिखिल जैन, पंकज बाकलीवाल, अनिल जैन, आदि ने आशीर्वाद लिया।

इन्होंने चढ़ाया पावापुरी में भगवान को निर्वाण लड्डू

मुनिश्री के सानिध्य में निर्वाण काण्ड पूजन के बाद संगीतकार शुभम जैन सैमी के भजनों पर भक्ति नृत्य करते हुए निर्वाण लड्डू प्रथम सम्यक दर्शन रश्मि जैन परिवार, दूसरे सम्यक ज्ञान विवेक शिल्पी बिलाल दिल्ली, तीसरे सम्यक चारित्र शिव दयाल अभिषेक जैन ग्वालियर एवं अनिल दीपिका जैन परिवार सहित जैन समाज के लोगों ने जयकारों के साथ लड्डू समर्पित किया। भगवान महावीर स्वामी पावापुरी तीर्थ से मोक्ष गए थे। मगर चातुर्मास कमेटी के द्वारा चंपाबाग धर्मशाला में पांडाल के बीचों बीच विशाल जलकुंड पावापुरी मंदिर की रचना की गई। ऐसा लग रहा था, मानो पावापुरी में ही भगवान के चरणों में लड्डू समर्पित कर रहे हों।

महावीर स्वामी ने राजपाट छोड़कर मोक्षमार्ग चुना-मुनिश्री

मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने कहा कि जैनागम में आत्मा द्वारा शरीर को त्यागने को शोक का नहीं हर्ष का विषय बताया गया है जैनागम के अनुसार जब आत्मा भौतिक सुखों को त्यागकर जन्म मरण के बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष मार्ग को अग्रसर होती है वह परम सुख है। महावीर स्वामी ने राजपाट छोड़कर मोक्षमार्ग चुना। जिनके सिद्धांत आज के युग में और अधिक प्रासंगिक हो गए है।

ग्वालियर के इन 85 जैन मंदिरो में निर्वाण लड्डू समर्पित हुए

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया कि 04 नबंबर को भगवान महावीर स्वामी के 2548 वां मोक्षकल्याण निर्वाण एवं भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति पर ग्वालियर सकल जैन समाज के श्रद्धालुओ ने जैन सिद्धक्षेत्र गोपाचल पर्वत पर पंच कल्याणक विधान पूजा व निर्वाण पूजन के उपरात संगीतमय भजनों के साथ निर्वाण लड्डू समर्पित किया। वही स्वर्ण जैन मंदिर, बीसपंथी चम्पाबाग जैन मंदिर, जैसवाल जैन मंदिर दाना ओली, मुनिसुव्रतनाथ शिंदेकी छावनी, तेरहपंथी शांतिनाथ जैन मदिर भाउ का बाजार, तेरहपंथी दिगंबर जैन मदिर दौलतगंज, उपग्वालियर लोहमंडी लाला गोकुलचंद जैसवाल जैन मदिंर, मुरार दिगंबर जैन पंचायती मदिर, दिगबर जैन मंदिर दीननाथ ठेकेदार की बागिची, सिकदर कम्पू शांतिनाथ जिनलाय, मामा का बाजार दिगबर जैन वरैया मदिर, दाना ओली दिगंबर जैन वरैया जैन, डी'डी नगर जैन मंदिर, पनिहार जैन मदिर, मुरार सीपी कालोनी जैन लाला मदिर, नया बाजार जैन मदिर, सहित 85 जैन मंदिरो में निर्वाण लड्डू समर्पित कर भगवन के जयकारों से गूँजे।

वन-टू-वन

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा शहर में कीटनाशक रसायनों का छिड़काव व फागिंग निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम भोपाल द्वारा मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु जहां एक ओर घर-घर डेंगू लार्वा की जांच की जा रही है वहीं फागिंग व हस्तचलित मशीनों से कीटनाशक रसायनों का छिड़काव भी किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फागिंग व कीटनाशक रसायनों का छिड़काव किया। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी के आदेश पर निगम अमले ने शनिवार को पीपल चौराहा, शिवनगर, पारस विहार कॉलोनी, मुरली नगर, पंचवटी फेस 3, विवेकानंद नगर, न्यू जेल कालोनी, गिरधर हाईट 2, स्वीट होम्स, मंगेश हाईट, बांसखेड़ी, विराशा हाईट्स, विधान एलिना, रचना नगर, अशोक विहार, ओल्ड अशोका गार्डन, पद्मनाभ नगर आदि क्षेत्रों में कीटनाशक रसायनों का छिड़काव व फागिंग भी कराई।

भाई दूज पर बहनों ने वृक्षों का पूजन कर बताया जीवन में आक्सीजन का महत्व

भोपाल। भाई दूज के अवसर पर बहनों ने भगत सिंह पार्क में वृक्षारोपण एंव वृक्षो का पूजन कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। इस अवसर पर गुरुनानक मण्डल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया वातावरण में आक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का बिगड़ रहे अनुपात से जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है,जिससे प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है इस अवसर पर भगवनदास ढालिया ने कहा कोविड काल में मरीजों को आक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ा था। अस्पतालों में आक्सीजन कन्सन्ट्रेशन की समस्याओं से जूझना पड़ा था इसलिए हमें आक्सीजन देने वाले पौधों का संरक्षण करने सबको आगे आना चाहिए। इस अवसर पर राजकुमारी डोंगरे, सुकांति ठकुरिया, अनीता चौहान,रामकली, आशा सिंह,पुष्पलता, सुनीता, सुनील सराठे,नरेंद्र ठाकुर,महेंद्र कटकोले,अजय प्रजापति,प्रकाश बाघमारे, सुनील उपस्थित थे ।

स्पेन में ट्रांसजेंडर, समलैंगिकों को भी मिलेगी आईवीएफ तकनीक की सुविधा

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने ट्रांसजेंडर, समलैंगिकों को भी आईवीएफ तकनीक की सुविधा देने का फैसला किया है। स्पेन की स्वास्थ्य मंत्री कैरोलिना डायस ने अकेली महिलाओं, समलैंगिकों और ट्रांसजेंडर लोगों को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में चिकित्सकीय सहायता वाली प्रजनन सुविधा प्रदान करने संबंधी एक आदेश पर हस्ताक्षर किया है। देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में यह सुविधा निःशुल्क है। एलजीबीटी अधिकार समूहों द्वारा इसकी लंबे समय से मांग की जा रही थी और यह समानता के लिए सोशलिस्ट नीत सरकार के अभियान का हिस्सा है। इस सरकार की कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या महिलाएं शामिल हैं। स्पेन में प्रजनन उपचार मुफ्त है, लेकिन छह साल पहले सत्तारूढ़ रूढ़िवादी पॉपुलर पार्टी सरकार ने इसे ऐसी महिलाओं तक सीमित कर दिया था जिनका कोई साथी हो। इसके चलते अन्य को निजी इलाज के लिए भुगतान करना पड़ता था। स्वास्थ्य मंत्री कैरोलिना डायस ने एक समारोह में सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि इस कदम का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में भेदभाव को समाप्त करना है।

कोरोना कहर से रूस में त्राही-त्राहि, एक दिन में 40,735 नए मामले

मॉस्को । महामारी कोरोना के कहर से रूस में त्राहि-त्राहि मची है। यहां कोरोना वायरस से करीब 1200 और लोगों की मौत और 40,000 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। रूस कोविड-19 की लहर से जूझ रहा है, जिस वजह से इस हफ्ते अधिकतर व्यवसायों को बंद करना पड़ा। राष्ट्रीय कोरोना वायरस कार्यबल ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 1192 लोगों की मौत हुई है और 40,735 नए मामले सामने आए हैं। इस हफ्ते के शुरू में एक दिन में रिकॉर्ड 1,195 लोगों की मौत हुई थी और 40,993 नए मरीज मिले थे। अधिकारियों ने मध्य सितंबर से मामलों में तेज़ी से वृद्धि का एक प्रमुख कारण टीकाकरण दर में कमी को बताया है। रूस की सरकार ने वायरस के प्रसार को काबू में करने के लिए छह दिन की राष्ट्रीय कार्यबंदी घोषित की थी। पिछले महीने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आदेश दिया था कि 30 अक्टूबर से सात नवंबर के बीच अधिकतर रूसी घर में ही रहें। उन्होंने जरूरत पड़ने पर कार्यबंदी का विस्तार करने की शक्तियां स्थानीय सरकारों को दी थी। देश के नोवोगोरोड क्षेत्र, साइबेरिया के टॉम्स्क, यूराल पर्वत के चेल्याबिंस्क समेत कई क्षेत्रों ने कार्यबंदी की अवधि अगले हफ्ते के अंत तक बढ़ा दी है। मॉस्को के मेयर ने कहा कि राजधानी में सोमवार से दफ्तर और व्यवसाय खोले जाने के लिए स्थिति पर्याप्त स्थिर है। रूस द्वारा मिलाए गए क्रीमिया क्षेत्र में भी अगले हफ्ते से कामकाज शुरू हो जाएगा। हालांकि, रूस की राजधानी में कुछ प्रतिबंध लागू रहेंगे जैसे बुजुर्गों के लिए घर में रहना और व्यवसायों के लिए जरूरी होगा कि वे अपने 30 प्रतिशत कर्मियों को घर से काम करने की अनुमति दें। रूस में कोरोना वायरस के कुल 87 लाख से ज्यादा मामले आ चुके हैं।

पंचायत चुनावों को लेकर तैयारियां तेज

तीन चरणों में होगा मतदान, सरपंच और पंच पद के लिए मतपत्र से करना होगी वोटिंग

जिला और जनपद पंचायत सदस्य के लिए ईवीएम से होगा मतदान

भोपाल। प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। अधिकारियों की माने तो आने वाले दो माह में पंचायत चुनावों का बिगुल बज सकता है। चुनाव तीन चरणों में होगा। जिसमें सरपंच व पंच पद के लिए वोटिंग मतपत्र के जरिए व जिला पंचायत और जनपद पंचायत सदस्य के लिए वोटिंग ईवीएम के जरिए होगी। चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इन वर्ष तीन मार्च को किया जा चुका है। इसके बाद भी कोई विशेष त्रुटि सामने आती है। तो आयोग से अनुमति लेकर उसमें सुधार किया जा सकता है। ऐसे मतदान केन्द्र जहां 750 से अधिक मतदाता हैं। वहां एक अतिरिक्त मतदानकर्मी की नियुक्ति मतदान दल में की जाएगी। इसके साथ ही सभी मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है और उनमें जो भी कमियां मिल रही हैं अधिकारी उन्हें तत्काल दूर कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा प्रदेश के संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों को चिंहित कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए जा रहे हैं। जिला पंचायत, जनपद पंचायत सदस्य और सरपंच पद के लिए नामांकन फॉर्म ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भरने की भी व्यवस्था इस बार की गई है। भोपाल से निर्वाचन आयुक्त ने पंचायत निर्वाचन के लिए जरूरी सामग्री की खरीदी करने व जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

अगले सप्ताह हो सकता है जिला पंचायत अध्यक्ष पद का आरक्षण: प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव तीन चरणों में कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग इसके लिए सभी तैयारियां कर चुका है। अब सिर्फ जिला पंचायत अध्यक्ष पद का आरक्षण होना बाकी है, जो पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अगले सप्ताह कर सकता है। इसके बाद आयोग कभी भी चुनाव की घोषणा कर सकता है। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि पंचायत चुनाव को लेकर कलेक्टरों के साथ जिला निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है।

मप्र में तीन चरणों में होंगे त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव

भोपाल। मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव तीन चरणों में कराए जाएंगे। इसके लिए सभी तैयारी पूरी हो चुकी है, जिला पंचायत अध्यक्ष पद का आरक्षण शेष है। अध्यक्ष पद का आरक्षण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अगले सप्ताह कर सकता है। इसके बाद राज्य चुनाव आयोग कभी भी चुनाव की घोषणा कर सकता है। बताया जा रहा है कि आयोग की मंशा इस वर्ष पंचायत चुनाव कराने की है, क्योंकि नगरीय निकाय चुनाव के आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। उधर, हाईकोर्ट में चुनाव कराने संबंधी याचिका लंबित है, जिस पर आठ नवंबर को सुनवाई प्रस्तावित है। राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि पंचायत चुनाव को लेकर कलेक्टरों के साथ जिला निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों के साथ बैठक हो चुकी है। मतदाता सूची और मतदान केंद्र संबंधी तैयारी हो चुकी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह जिला निर्वाचन अधिकारियों से तैयारियों को लेकर बात कर चुके हैं। सभी विभागों को जिले में चार साल की अवधि में तीन वर्ष से एक स्थान पर पदस्थ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को जिला अध्यक्ष पद के आरक्षण की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कहा गया है। विभाग ने भी इसकी तैयारी कर ली है। आरक्षण के बिना चुनाव की घोषणा नहीं हो सकती है।

उपभोक्ताओं की बिजली से जुड़ी समस्याएं होंगी दूर

भोपाल। बिजली कंपनी अपने घटते राजस्व की बढ़ोत्तरी के लिए उपभोक्ताओं से वन टू वन बातचीत की तैयारी कर रही है। जिसके तहत उपभोक्ताओं की हर समस्या को सुनकर तय समय सीमा में उसका निराकरण करके उनका भरोसा जीतना है। इससे उपभोक्ता भी समय पर बिजली बिल जमा करके बिजली कंपनी के राजस्व को बढ़ाने में मदद करें। मुख्य महाप्रबंधक राजीव गुप्ता ने बताया 8 नवंबर से हर जोन कार्यालय पर उपभोक्ताओं की समस्या सुनने अलग से एक डेस्क बनाई जाएगी, जहां पर एई-जेई स्तर के अधिकारी यहां आने वाले उपभोक्ता की समस्या को सुनकर उसका निराकरण करेंगे। इस संबंध में मुख्य महाप्रबंधक ने सभी एई-जेई के लिए निर्देश भी जारी किए हैं। उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी समस्या बिजली बिल अधिक आने की है।

देवउठनी ग्यारस से बजेंगी शहनाइयां

नवंबर-दिसंबर में केवल 16 मुहूर्त

भोपाल। दीपावली के बाद अब लोगों को विवाह मुहूर्त शुरू होने का इंतजार है। मुहूर्त 15 नवंबर को देव उठनी एकादशी से शुरू होते ही विवाह की शहनाइयां गूंजने लगेंगी। हालांकि इस साल 13 दिसंबर तक कुल 16 दिन ही मुहूर्त है। इतने कम दिन मुहूर्त होने के कारण शहर में इस अवधि में करीब ढाई से तीन हजार जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधेंगे, ऐसा पंडितों का अनुमान है। किन्ही कारणों से जो लोग अभी विवाह नहीं कर पा रहे हैं, उन्होंने आगामी 15 जनवरी से शरू होने वाले मुहूर्तों में मैरिज गार्डन की अभी से बुकिंग शुरू कर दिया है। खास बात यह है कि नए साल 2022 में कुल विवाह मुहूर्त तो करीब 60 दिन मिलेंगे, परंतु शुरुआती महिनों में मार्च में एक भी मुहूर्त नहीं है, जबकि अप्रैल में केवल पांच दिन ही मुहूर्त होंगे। सर्वाधिक मुहूर्त मई व जून में रहेंगे। देव उठनी एकादशी पर 15 नवंबर से विवाह मुहूर्त शुरू होंगे, जो 13 दिसंबर तक रहेंगे। इन दो माहों में विवाह के लिए कुल 16 दिन ही मुहूर्त है। इन मुहूर्त में शहर में करीब तीन हजार जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधेंगे। पंडितों के पास जोड़ों के कुंडली मिलान के लिए आने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। कई लोगों ने तो मैरिज गार्डन की बुकिंग कराना भी शरू कर दिया है।

अभी विवाह नहीं तो महीने भर करना होगा इंतजार: पं. विष्णु राजौरिया का कहना है कि इन मुहूर्तों में जो लोग विवाह नहीं कर पाएंगे, उन्हें फिर एक माह तक इंतजार करना होगा। इसके बाद मुहूर्त आगामी नए वर्ष 2022 में 15 जनवरी से प्रारंभ होंगे, जो फरवरी तक रहेंगे। मार्च में मुहूर्त नहीं रहेंगे। इसके बाद अप्रैल में केवल दूसरे सप्ताह से मुहूर्त प्रारंभ होंगे और वह भी केवल पांच दिन रहेंगे। इस कारण बहुत से परिवारों में विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवाह इन दो माहों के मुहूर्त में ही किए जाने की तैयारियां की जा रही हैं।

ग्यारस पर अबूझ मुहूर्त: पंडितों के अनुसार वैसे विवाह मुहूर्त 19 नवंबर से प्रारंभ होंगे, परंतु इसके पूर्व 15 नवंबर को देव उठनी एकादशी का दिन अबूझ मुहूर्त वाला होता है।

दो साल की भड़ास इस दीपावली पर बम बनकर फूटी

-प्रदूषण की नसीहत देने वालों को सुनना पड़ी खरी-खोटी
-एनजीटी, सुप्रीम कोर्ट की नसीहतों पर परम्परा भारी पड़ी

भोपाल। कोरोना काल की पिछली दो साल की भड़ास इस दीपावली पर बम बनकर फूट पड़ी। एनजीटी, सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन सहित नसीहतों पर पटाखे फोडने़, अनार जलाने की परम्परा बहुत भारी पड़ी। इस वजह से शहर की हवा में प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। दो साल से कोरोना काल में तमाम प्रतिबंध झेल रहे शहरवासियों ने वायु प्रदूषण या शहर की आबोहवा खराब होने की चिंता को रॉकेट की तरह हवा में उड़ा दिया। पटाखे जलाने से हवा जहरीली हो जाएगी, इस तरह की बात करने अथवा ज्ञान बांटने वालों को खरी-खोटी सुनना पड़ी। दीपावली के दिन पटाखों की दुकानों पर उमड़ी भीड़ से ही पता पड़ गया था कि दीपावली की रात कितनी रंगीन और धमाकेदार होगी। पिछले दो साल की अपेक्षा जहां इस साल पटाखों की दो से तीन गुना ज्यादा खरीदारी हुई, वहीं दीपावली को देर रात तक सारे शहर में जमकर आतिशबाजी और जबरदस्त बमबाजी हुई। सारा शहर रात 3 बजे तक बम, रॉकेट की आवाजों से गूंजता रहा। दो सालों से मायूस पटाखा व्यापारियों के चेहरे पर इस साल चमक लौटती दिखाई दी। वहीं शहरवासियों में गजब का उत्साह नजर आया। कुल मिलाकर पिछले दो सालों में कोरोना के कारण जो शहर मुरझाया और डरा-सहमा सा नजर अथवा चिंतित नजर आता था, इस बार वह उत्साह से सराबोर नजर आया। हर साल की तरह इस साल भी पर्यावरण व प्रदूषण संबंधित चिंता करते हुए सुप्रीम कोर्ट, एनजीटी ने दीपावली पर आतिशबाजी करने, पटाखे फोडने़ की गाइड लाइन तय कर दी थी। इसमें कहा गया था कि सिर्फ ग्रीन पटाखे ही फोड़े जाएं, सिर्फ 2 घंटे ही आतिशबाजी की जा, मगर सरकार, शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस मामले में सख्ती करने से कतराते नजर व परहेज करते नजर आए । जिसने भी दीपावली के त्योहार पर प्रदूषण और पर्यावरण संबंधित चिंता जाहिर की, उसे जनता ने खूब खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि ज्यादा ज्ञान मत बांटो, सारे नियमपालन या सबकी चिंता करने का ठेका क्या हमारे सालभर में एक बार आने वाले त्योहारों ने ले रखा है कि दीपावली पर पटाखे मत फोड़ो, होली सूखे रंगों से खेलो, पानी ज्यादा मत ढोलो। दीपावली पर पटाखे फोडने़ व आतिशबाजी करने का दौर सालों से चला आ रहा है । इस मामले में सबके अपने-अपने तर्क हैं। पटाखे जलाने के पीछे कई लोगों मानना है कि बारिश के दौरान व बाद में कई कीड़े-मकौड़े, मच्छर अत्यधिक संख्या में पनप जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया 2024 के मध्य तक चंद्रमा पर पानी की तलाश करते देखा जा सकता है

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की अंतरिक्ष उड़ान को नई कामयाबी की प्रतीक्षा है वह अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के साथ एक समझौते के तहत 2026 तक चंद्रमा पर ऑस्ट्रेलिया निर्मित रोवर भेजने की घोषणा की थी। रोवर ऑक्सीजन युक्त चंद्रमा की मिट्टी को एकत्र करेगा, जिसका उपयोग अंततः अंतरिक्ष में मानव जीवन के सहयोग में मदद के लिए किया जा सकता है। नासा के साथ इस समझौते ने सुर्खियां बटोरीं, हालांकि सिडनी में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी के सहयोग से ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में निजी कंपनियों द्वारा संचालित एक अलग अभियान के तहत ऑस्ट्रेलिया को 2024 के मध्य तक चंद्रमा पर पानी की तलाश करते देखा जा सकता है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो यह ऑस्ट्रेलिया निर्मित घटकों का चंद्रमा पर पहुंचने वाला पहला रोवर होगा। पानी की तलाश में भटकना करीब दस किलोग्राम वजन वाला रोवर चंद्रमा पर अनुसंधान करने वाली जापान की कंपनी आईस्पेस द्वारा बनाए गए हाकुटो लैंडर के जरिए प्रक्षेपित किया जाएगा। इस रोवर को भी आईस्पेस ने बनाया है, जो निजी कंपनियों स्टारडस्ट टेक्नोलॉजीज (कनाडा में स्थित) और ऑस्ट्रेलिया की एक्सप्लोर स्पेस टेक्नोलॉजी (जिनके संस्थापकों में से एक चाऊ हैं) द्वारा निर्मित एक एकीकृत रोबोटिक शाखा होगी। यह रोवर विशेष रूप से पानी खोजने के लक्ष्य के साथ धूल, मिट्टी और चट्टानों की भौतिक और रासायनिक संरचना के बारे में जानकारी एकत्र करेगा। ऐसा अनुमान है कि चंद्रमा की धरती के भीतर पानी मौजूद है, लेकिन व्यावहारिक उपयोग के लिए हमें अब तक पानी निकालने का कोई तरीका नहीं मिला है। नासा द्वारा किए गए परीक्षण की तरह यह परीक्षण चंद्रमा पर भौतिक और रासायनिक स्थितियों को हूबहू दर्शा सकता है। यह निर्धारित करना महत्वपूर्ण होगा कि क्या रोवर चलायमान रह सकता है और विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों के बीच कार्य करना जारी रख सकता है।

म्यांमार में सैन्य शासन के दौरान हुए गंभीर मानवीय अपराध, जिम्मेदारों को कठघरे में लाया जाए: यूएन जांचकर्ता

जिनेवा। सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार में फौजी हुकूमत में हुए सबसे गंभीर अपराधों की जांच पड़ताल कर रहे संयुक्त राष्ट्र निकाय के प्रमुख निकोलस कौमजियान ने कहा कि एक फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद से एकत्र किए गए प्रारंभिक साक्ष्य आम नागरिकों पर 'मानवता के खिलाफ व्यापक अपराध और सुनियोजित हमलों' को दर्शाते हैं। म्यांमार के लिए स्वतंत्र जांच तंत्र के प्रमुख निकोलस कौमजियान ने संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं से कहा कि सैन्य कब्जे के बाद से 2,00,000 से अधिक सूचनाएं मिली हैं और 15 लाख से अधिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं जिनका विश्लेषण किया जा रहा है, 'ताकि म्यांमार में गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों को एक दिन न्याय के कठघरे में लाया जाए।' उन्होंने कहा कि जांचकर्ताओं ने हिंसा का तरीका देखा है। सैन्य कब्जे के 'हिंसा में वृद्धि और प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए और अधिक हिंसक तरीकों का इस्तेमाल किया गया।'

कौमजियान ने कहा, 'यह एक ही समय में अलग-अलग जगहों पर हो रहा था, यह दर्शाता है कि यह निष्कर्ष निकालना तर्कसंगत होगा कि यह केंद्रीय नीति से किया गया था।'

उन्होंने कहा, 'हमने देखा कि विशेष समूहों को लक्षित किया गया, विशेष रूप से गिरफ्तारी और हिरासत के लिए जो तरीका अपनाया गया वह कानून की उचित प्रक्रिया के बिना किया गया प्रतीत होता है। इसमें जाहिर तौर पर पत्रकार, चिकित्साकर्मी और राजनीतिक विरोधी भी शामिल हैं।' म्यांमार पांच दशकों तक सख्त सैन्य शासन के अधीन था जिसके कारण वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग रहा और उस पर प्रतिबंध भी लगे। 2015 के चुनावों में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची को नेतृत्व की कमान मिली, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अधिकांश प्रतिबंधों को हटाकर देश में निवेश किया। लेकिन पिछले साल नवंबर के चुनाव के बाद एक फरवरी को तख्तापलट कर सेना ने सू ची की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी को खारिज कर दिया। संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ता ने कहा कि सैन्य कब्जे के बाद से म्यांमार में अशांति पैदा हो गई है और देश के कई हिस्सों में सत्तारूढ़ जनरलों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर घातक बल प्रयोग हुआ। संयुक्त राष्ट्र की इस जांच निकाय की स्थापना सितंबर 2018 में जिनेवा स्थित मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में किए गए सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के साक्ष्य एकत्र करने, समेकित करने, उन्हें संरक्षित करने और विश्लेषण करने के इरादे से की थी।

हवाना सिंड्रोम पर गंभीर अमेरिका, जाएगा तह तक : विदेश मंत्री ब्लिंकन

वॉशिंगटन। हवाना सिंड्रोम को लेकर अमेरिका काफी गंभीर है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन इस बात की तह तक जाने के लिए प्रतिबद्ध है कि क्यों कई अमेरिकी राजनयिक रहस्यमय स्वास्थ्य लक्षणों से पीड़ित हैं जिन्हें हवाना सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है। हवाना सिंड्रोम मुद्दे पर बोलते हुए एक भाषण में ब्लिंकन ने अमेरिकी अधिकारियों को प्रभावित करने वाली असामान्य स्वास्थ्य घटनाओं से गंभीरता से निपटने का वादा किया। उन्होंने प्रभावित कर्मचारियों के लिए वरिष्ठ देखभाल कोऑर्डिनेटर के रूप में मार्गरेट उयेहारा की नियुक्ति की घोषणा की और जोनाथन मूर को राज्य विभाग के स्वास्थ्य घटना प्रतिक्रिया कार्य बल (हेल्थ इनसीडेंट रिस्पांस टास्क फोर्स) के कोऑर्डिनेटर के रूप में नियुक्त किया। ब्लिंकन ने आगे कहा, हमारे राजनयिकों और अधिकारियों ने लगातार सिरदर्द और सुनने की शक्ति कम होने जैसी गंभीर शारीरिक नतीजों का अनुभव किया है। उन्होंने आघात, चिंता, अवसाद सहित मनोवैज्ञानिक नुकसान को भी झेला है और इन घटनाओं ने हमारे सहयोगियों को गहरा नुकसान पहुंचाया है। पहली बार 2016 में क्यूबा की राजधानी हवाना में कार्यरत अमेरिका राजनयिकों में चक्कर आना, सिरदर्द और कान बजना जैसे लक्षण पाए गए। दुनिया भर में अमेरिकी विदेश सेवा और खुफिया कर्मियों ने भी इसी तरह की घटनाओं का अनुभव करने की सूचना दी है। हालांकि इस हालत के स्रोत का अब तक पता नहीं चल सका है।

दरअसल, क्यूबा कथित रूप से हवाना में अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों पर उनके घरों और होटल के कमरों में किसी रहस्यमय हथियार का उपयोग करके कथित तौर पर उनपर हमला कर रहा था। पीड़ितों ने कई तरह के लक्षणों की सूचना दी, जिनमें सिरदर्द, चक्कर आना, सुनाई न देना, थकान, मानसिक भ्रम और एक भयानक आवाज सुनने के बाद ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई शामिल है। क्यूबा के इसी रहस्यमयी हथियार को 'हवाना सिंड्रोम' का नाम दिया गया है। ब्लिंकन ने कहा, अमेरिकी सरकार में हम सभी, और विशेष रूप से विदेश विभाग इस घटना की तह तक जाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि आखिर यह कहां से और क्यों आया, इसके पीछे कौन है? उन्होंने कहा, नई तकनीक हमें इन घटनाओं के विभिन्न संभावित कारणों का अधिक तेज़ी से और अच्छी तरह से मूल्यांकन करने में मदद कर रही है और हमने इस बारे में कई पोस्ट किए हैं ताकि 'हवाना सिंड्रोम' मामले में नई रिपोर्टों पर हम तेजी से जवाब दे सकें।

दूषित मिले ऑर्गेनिक उर्वरक श्रीलंकाई अदालत ने चीनी कंपनी का भुगतान रोकने को कहा

कोलंबो। श्रीलंका की वाणिज्यिक अदालत ने जांच में दूषित मिले ऑर्गेनिक उर्वरक की खेप को लेकर चीनी कंपनी को 49 लाख डॉलर का भुगतान रोकने का आदेश दिया है। इस अदालती आदेश के बाद श्रीलंका का पीपुल्स बैंक चीनी कंपनी को अगली सुनवाई होने तक भुगतान नहीं कर सकता। अदालत में मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होनी है। श्रीलंका सरकार के स्वामित्व वाली सीलोन फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड की याचिका पर वाणिज्यिक उच्च न्यायालय ने गत 22 अक्टूबर को चीनी कंपनी का भुगतान रोकने का आदेश दिया था।चीनी किंगदाओ सीविन बायोटेक की तरफ से भेजी गई ऑर्गेनिक उर्वरक की खेप को परीक्षणों में दूषित पाने के बाद उसका भुगतान रोकने का आदेश जारी हुआ।

युवा वर्ग ने ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में भविष्य पर जताई चिंता

ग्लासगो । ब्रिटेन के स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में युवाओं की भागीदारी प्रशंसनीय हैं। नेताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ कई युवा भी जलवायु परिवर्तन के खतरनाक परिणाम से दुनिया को बचाने के लिए इस बार चर्चा में शिरकत कर रहे हैं। बोस्टन कॉलेज की 20 वर्षीय छात्रा जुलिया होरकोस ने कहा, 'यह हमारे भविष्य का सवाल है। हमारे भविष्य के साथ समझौता हो रहा है और हम बैठे नहीं रहने वाले हैं।' सम्मेलन के दौरान होरकोस समेत कई छात्र पहुंचे हैं। कुछ युवाओं ने शुक्रवार को रैली भी निकाली। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस और जलवायु परिवर्तन को लेकर विश्व की लड़ाई के संकल्प को बल देने में युवाओं की सक्रियता की सराहना की। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की वार्ता का विषय युवाओं की भागीदारी है। कई नेताओं ने चर्चा में बताया कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ युवा दुनिया को जगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। बहरहाल, युवा लोगों को समर्पित चर्चा के दिन ही अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति 73 वर्षीय अल गोर और जलवायु पर अमेरिका के दूत 77 वर्षीय जॉन केरी ने संवाददाताओं को संबोधित किया। होरकोस ने कहा कि कई दिन तक चर्चा सत्र में जाने के बावजूद उन्हें केवल युवाओं की भागीदारी वाले सत्र का सदस्य बनने का मौका मिला। बोस्टन कॉलेज की 21 वर्षीय छात्रा डायना बुंगे को कई कारोबारी प्रतिनिधियों को सुनने का मौका मिला, लेकिन उन्हें अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। यूनिसेफ के ब्रिटेन यूथ एडवायजरी बोर्ड के सदस्य मगाली चो ली विंग (17) ने कहा, 'जब मैं सीओपी26 सम्मेलन में पहुंचा तो मुझे केवल सूट बूट पहने अधेड़ लोग ही दिखे।

प्रदेश के गृहमंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी ने जिला महामंत्री स्वर्गीय श्री शरद गौतम के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की

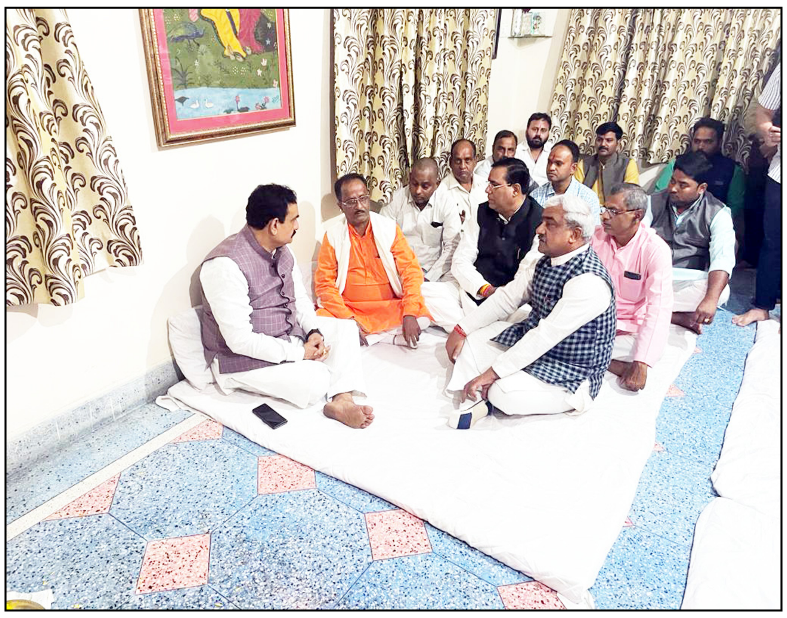

ग्वालियर। मध्य प्रदेश सरकार के ग्रह मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी आज ग्वालियर प्रवास के दौरान रात्रि 8¬45 बजे ग्वालियर महानगर भाजपा महामंत्री स्वर्गीय श्री शरद गौतम के असामयिक निधन पर उनके निवास पर पहुंचे और परिजनों पत्नी श्रीमती प्रतिभा गौतम पुत्र आदि गौतम से भेंट की सर्वप्रथम श्री मिश्रा ने स्वर्गीय श्री गौतम की तस्वीर पर माल्यार्पण किया एवं अपनी ओर से श्रद्धांजलि व्यक्त की /

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अशोक जैन भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष श्री देवेश शर्मा भाजपा जिला ग्वालियर ग्रामीण महामंत्री श्री दीपक माहौर भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री रामेश्वर सिंह भदोरिया भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री विवेक चौहान भाजपा नेता श्री सुभाष शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे।

पद्मश्री डॉ. एसएन सुब्बाराव के निधन पर श्रद्धांजलि सभा

7 नवम्बर को प्रेस क्लब में आयोजित

ग्वालियर । चंबल को डकैतों से मुक्त कराने वाले गांधीवादी विचारक पद्मश्री डॉ. एसएन सुब्बाराव के निधन पर रविवार 7 नवंबर 2021 को ग्वालियर प्रेस क्लब परिसर फूलबाग में प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धांजलि सभा भाई जी के साथ बिताए हुए पलों को साझा किया जायेगा । आपको बता दें कि गांधीवादी स्व डॉक्टर एस एन सुब्बाराव जिन्होंने चंबल क्षेत्र में शांति और अहिंसा के लिए लंबे समय तक कार्य किया उन्होंने सन् 1972 में 572 बागियो का आत्म समर्पण करने ने अहम भूमिका निभाई जिससे क्षेत्र में शांति बहाली हुई उनके इस प्रयास को पूरे देश मे शन्ति के प्रयास का सफल प्रयोग रहा गांधी के चरणों में बंदूकों का समर्पण पूरे देश के लिए ऐतिहासिक था डॉक्टर एसएन सुब्बाराव का स्वर्गवास 27 अक्टूबर 2021 जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में हुआ उनके शांति और अहिंसा के प्रयास चंबल संभाग कभी भुला नहीं सकता इसी तारतम्य दिनांक 7 नवंबर 2021 प्रेस क्लब सर्वोदय समाज परिषद एकता परिषद जल जन जोडो अभियान मातृभूमि सेवा मिशन खादी भंडार ग्वालियर के द्वारा संकल्प श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। शहर के समस्त भाई जी से जुड़े व्यक्तियों को सादर पूर्वक श्रद्धांजलि देने के लिए आमंत्रित है।

केदारनाथ धाम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की मन की बात

ग्वालियर में 4 प्रमुख शिवालयों पर किया गया सीधा प्रसारण

ग्वालियर। गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केदारनाथ धाम में भगवान श्री केदारनाथ के दर्शन कर वहीं से देशवासियों को संबोधित करते हुए मन की बात की। प्रधानमंत्री की मन की बात का सीधा प्रसारण ग्वालियर में चार प्रमुख शिवालयों पर किया गया। जिसमें ग्वालियर के कोटेश्वर मंदिर पर आयोजित सीधा प्रसारण कार्यक्रम में प्रदेश की खेल एवं युवक कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, भितरवार स्थित धूमेश्वर मंदिर पर प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, घाटीगाँव स्थित नलकेश्वर महादेव

मंदिर पर क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं ग्वालियर के अचलेश्वर मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात शिवालयों पर ब?ी संख्या में उपस्थित होकर लोगों ने सुनीं। कोटेश्वर मंदिर पर आयोजित समारोह में ब?ी स्क्रीन पर लोगों ने मन की बात सुनी। इसके साथ ही अन्य शिवालयों पर भी जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने प्रधानमंत्री की बात को सुना।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कोटेश्वर मंदिर पहुँचकर पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने धूमेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और सांसद श्री शेजवलकर व पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया ने भी मंदिर पर सर्वप्रथम पहुँचकर पूजा अर्चना की और मन की बात कार्यक्रम में भाग लिया।

दिवाली पर 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2548 वें निर्वाण एवं गौतम गणधर स्वामी के केवल ज्ञान महोत्सव आयोजित हुआ

पावापुरी तीर्थ के जलकुंड मंदिर में भक्तिभाव से निर्वाण लड्डू समर्पित किया

जैन तीर्थ पावापुरी मंदिर में भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव पर लड्डू चढ़ाने के उमड़े श्रध्दालु

ग्वालियर-¬कार्तिक अमावस्या दिवाली पर 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2548 वें निर्वाण महोत्सव एवं शाम को गौतम गणधर स्वामी के केवल ज्ञान महोत्सव पर वात्सल्य सरोवर राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज, मुनिश्री विजयेश सागर महाराज, मुनिश्री विनिबोध सागर महाराज एवं ऐलक श्री विनियोग सागर महाराज के मंगल सानिध्य में अभूतपूर्व वर्षायोग समिति व जैन मिलन ग्वालियर के तत्वावधान में नई स?क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में भगवान महावीर स्वामी की मोक्ष स्थली पावापुरी जलकुंड मंदिर की भव्य रचना कर निर्वाण लाडू चढ़ाने व देखने के लिए धर्मावलंबियों का आस्था का हुजूम उमड़ पडा।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पंडित सुनील भंडारी ने मंगलाष्टक के बाद पीले वस्त्रों में इंद्रो ने भगवान महावीर स्वामी का 108 रिद्धि मंत्रों से अभिषेक जयकारों के साथ किया। मुनिश्री ने अपने मुख्यबिंद से मंत्रो का उच्चारण कर अनिल कुमार ने भगवान की शान्तिधारा की। मुनिश्री के चरणों मे श्री फल वर्षायोग कमेटी के डॉ वीरेंद्र गंगवाल, महेंद्र टोंग्या, प्रवीण गंगवाल, विनय कासलीवाल, अध्यक्ष योगेश बोहरा, आशीष जैन, मिखिल जैन, पंकज बाकलीवाल, अनिल जैन, आदि ने आशीर्वाद लिया।

इन्होंने चढ़ाया पावापुरी में भगवान को निर्वाण लड्डू

मुनिश्री के सानिध्य में निर्वाण काण्ड पूजन के बाद संगीतकार शुभम जैन सैमी के भजनों पर भक्ति नृत्य करते हुए निर्वाण लड्डू प्रथम सम्यक दर्शन रश्मि जैन परिवार, दूसरे सम्यक ज्ञान विवेक शिल्पी बिलाल दिल्ली, तीसरे सम्यक चारित्र शिव दयाल अभिषेक जैन ग्वालियर एवं अनिल दीपिका जैन परिवार सहित जैन समाज के लोगों ने जयकारों के साथ लड्डू समर्पित किया। भगवान महावीर स्वामी पावापुरी तीर्थ से मोक्ष गए थे। मगर चातुर्मास कमेटी के द्वारा चंपाबाग धर्मशाला में पांडाल के बीचों बीच विशाल जलकुंड पावापुरी मंदिर की रचना की गई। ऐसा लग रहा था, मानो पावापुरी में ही भगवान के चरणों में लड्डू समर्पित कर रहे हों।

महावीर स्वामी ने राजपाट छोड़कर मोक्षमार्ग चुना-मुनिश्री

मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने कहा कि जैनागम में आत्मा द्वारा शरीर को त्यागने को शोक का नहीं हर्ष का विषय बताया गया है जैनागम के अनुसार जब आत्मा भौतिक सुखों को त्यागकर जन्म मरण के बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष मार्ग को अग्रसर होती है वह परम सुख है। महावीर स्वामी ने राजपाट छोड़कर मोक्षमार्ग चुना। जिनके सिद्धांत आज के युग में और अधिक प्रासंगिक हो गए है।

ग्वालियर के इन 85 जैन मंदिरो में निर्वाण लडडू समर्पित हुए

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया कि 04 नबंबर को भगवान महावीर स्वामी के 2548 वां मोक्षकल्याण निर्वाण एवं भगवान महावीर के प्रमुख गणधर गौतम स्वामी को भी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति पर ग्वालियर सकल जैन समाज के श्रद्धालुओ ने जैन सिद्धक्षेत्र गोपाचल पर्वत पर पंच कल्याणक विधान पूजा व निर्वाण पूजन के उपरात संगीतमय भजनों के साथ निर्वाण लड्डू समर्पित किया। वही स्वर्ण जैन मंदिर, बीसपंथी चम्पाबाग जैन मंदिर, जैसवाल जैन मंदिर दाना ओली, मुनिसुव्रतनाथ शिंदेकी छावनी, तेरहपंथी शांतिनाथ जैन मदिर भाउ का बाजार, तेरहपंथी दिगंबर जैन मदिर दौलतगंज, उपग्वालियर लोहमंडी लाला गोकुलचंद जैसवाल जैन मदिंर, मुरार दिगंबर जैन पंचायती मदिर, दिगबर जैन मंदिर दीननाथ ठेकेदार की बागिची, सिकदर कम्पू शांतिनाथ जिनलाय, मामा का बाजार दिगबर जैन वरैया मदिर, दाना ओली दिगंबर जैन वरैया जैन, डी'डी नगर जैन मंदिर, पनिहार जैन मदिर, मुरार सीपी कालोनी जैन लाला मदिर, नया बाजार जैन मदिर, सहित 85 जैन मंदिरो में निर्वाण लड्डू समर्पित कर भगवन के जयकारों से गूँजे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478